

साइबर ठगी के मामले में नागौर पुलिस के हाथ लगी सफलता

92 लाख ठगी के मामले में नागौर जिले के तीन युवकों सहित 4 गिरफ्तार

(नगर संवाददाता)

नागौर, 12 अगस्त। नागौर में अपराध पर रोकथाम के प्रभावी प्रयासों के बीच पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

नागौर एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि नागौर पुलिस ने 2 बड़ी कार्रवाई की हैं। पुलिस मुख्यालय के सुपरविजन में चल रहे ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत नागौर साइबर टीम ने क्रिप्टोकॉर्सी की माइनिंग मशीन बेचने के नाम पर ठगने वाले मास्टरमाइंड सहित 4 आरोपी गिरफ्तार किए गए।

नागौर पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत क्रिप्टोकॉर्सी की माइनिंग मशीन से ज्यादा रूपए कमाने के लालच देने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में क्रिप्टोकॉर्सी के नाम पर ठगी करने वाले मास्टरमाइंड को भी



गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अब तक 10 करोड़ से भी ज्यादा ठगी कर चुके हैं। ये आरोपी मेड़ता सिटी में कार्निवल कॉर्पोरेट ग्रुप नामक एक फर्जी ऑफिस चलाते थे। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि स्थानीय निवासी ऑंकार राम ने रिपोर्ट देकर बताया कि सोशल मीडिया के जरिए कुछ युवकों ने संपर्क किया और क्रिप्टोकॉर्सी के जरिए इन्वेस्टमेंट करके लाभ कमाने के बारे में बताया। आरोपियों ने मेड़ता

सिटी स्थित एक ऑफिस भी दिखाया, जहां पर कंप्यूटर, लैपटॉप, इन्वेस्टमेंट डिटेल्स और क्रिप्टो माइनिंग की कथित मशीन दिखाई। इसके बाद वह लगातार पैसे जमा करवाता रहा। कुछ समय बाद जब उनसे संपर्क किया तो उनके नंबर बंद थे, मेड़ता सिटी के ऑफिस पर भी ताला लगा हुआ था। आरोपियों ने इस दौरान परिवारी से 91 लाख 59 हजार 999 रूपए ठग लिए। एसपी कच्छावा ने बताया कि परिवारी की रिपोर्ट के आधार पर एससपी सुमित कुमार ने

टीमें बनाई। मोबाइल लोकेशन और पृष्ठताछ के आधार पर पुलिस ने दिल्ली निवासी सौरभ पंत, नागौर जिले के ईडवा निवासी मुकेश नाथ, लुणियास निवासी सुखराम जाट, खाखड़की निवासी कपिल देव सरगरा को गिरफ्तार किया। आरोपियों से ठगी हुई राशि जब्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही ठगी गई राशि से बनी संपत्ति की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर प्रदर्शन

(नगर संवाददाता)

नागौर, 12 अगस्त। छात्रसंघ चुनाव करवाए जाने की मांग को लेकर मेड़ता शहर के राजकीय पीजी कॉलेज के मुख्य गेट के छात्रों ने ताला जड़ दिया। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने कुछ ही देर में समझाइश कर ताला वापस खुलवा दिया। हाथों में तिरंगे और नारे लिखी तख्तियां लिए 50 से अधिक छात्रों ने कॉलेज के बाहर प्रदर्शन किया। छात्रों की ओर से प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव की मांग की जा रही है। इसी को लेकर मेड़ता कॉलेज के विद्यार्थी विरोध-प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान एकबारगी विद्यार्थियों ने कॉलेज के बाहर ताला भी लगा दिया। सूचना मिलने पर थानाधिकारी धर्मेेश दायमा, हैड कांस्टेबल प्रेमसिंह, कांस्टेबल अशोक कुमार मौके पर पहुंचे।

कावड़ यात्रा की समीक्षा बैठक आयोजित



(नगर संवाददाता)

नागौर, 12 अगस्त। शहर में 8 अगस्त को हुई विशाल कावड़ यात्रा को लेकर समीक्षा बैठक शहर के एक निजी होटल में संपन्न हुई। धार्मिक उत्सव आयोजन समिति के सभी पदाधिकारी और शहर के सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

सभापति मीतू बोथरा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कावड़ यात्रा के संयोजक लोकेश टाक ने सभी सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं तथा इस कावड़ यात्रा में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले शहर के नागरिकों मातृ शक्ति संत महात्मा मीडिया बन्धुओं आदि का आभार प्रकट किया।

कावड़ यात्रा समिति को भंग करने की घोषणा की गई। बैठक में पार्षद नवरत्न बोथरा, सुनील सांखला,

मनीष शर्मा, राजेश रावल, नीलू खरलोया, नंद किशोर खंडलोया, सुखदेव मनहार, जंवरीलाल भट्ट, मुरली मनोहर सोलंकी, अशोक टाक, सुरेंद्र सोलंकी, नरेंद्र टाक, रूपचंद

टाक, टीकमचंद कच्छावा, मांगीलाल गहलोत, पन्नालाल कच्छावा, दिलीप पीठी, सुनील तक दिलीप भोजक, नागर चंद भार्गव, कन्हैयालाल शर्मा, मेधराज राव उपस्थित थे।

साहित्यिक अकादमी पर सरकारी पहरा दुर्भाग्यपूर्ण

(नगर संवाददाता)

नागौर, 12 अगस्त। अखिल भारतीय राजस्थानी भाषा मान्यता संघर्ष समिति के संस्थापक लक्ष्मण दान कविया ने साहित्यिक अकादमियों पर सरकारी पहरे को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। कविया ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखे ज्ञापन में लिखा कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर सहित प्रदेश की आठों अकादमियों को भंग कर दिया था। अब डेढ़ वर्ष से ज्यादा का समय हो गया है लेकिन सरकार ने इन अकादमियों की सुद नहीं ली है। इससे प्रदेश में साहित्यिक भुलान का वातावरण बन गया है। सरकार के इस उदासीन रवैये के कारण प्रदेश के साहित्यकार दुःखी हैं। कविया ने लिखा कि प्रदेश में अकादमियों पर सरकारी पहरे होने के दुष्परिणाम स्वरूप सत्ता बदलते ही पहली गाज अकादमियों पर गिरती है। भारत के अन्य प्रदेशों में ऐसा नहीं है। इसलिए अब यह जरूरी हो गया है कि सरकार को अतिशीघ्र प्रदेश की आठों साहित्यिक अकादमियों का गठन करने का श्रेय एवं प्रेय कार्य करना चाहिए।

काल भैरव मंदिर की स्थापना पर निकली शोभायात्रा

(नगर संवाददाता)

नागौर, 12 अगस्त। विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में स्थित विश्व विख्यात श्री काल भैरव मन्दिर की स्थापना के 1 वर्ष पूर्ण हो गया है। मन्दिर ट्रस्ट प्रभारी श्रवण सैन ने बताया पिछले वर्ष 11 अगस्त 2024 को भगवान श्री काल भैरव मन्दिर व श्री काल भैरव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा हुई। 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महामण्डलेश्वर कुशालगिरी महाराज के सानिध्य व सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विशाल भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान भैरूजी महाराज के भजन व 1008 श्री भैरवायु नमः मंत्रों का उच्चारण किया। इस दौरान महामण्डलेश्वर ने श्री भैरव संकट हरण, मंगल करण कुपाल। करहु दया निज दास पे, निशीदिन दिनदयाल के श्लोक का उच्चारण कर भक्तों के कुशल मंगल हेतु काल भैरव से प्रार्थना की। महामण्डलेश्वर के सानिध्य में श्री काल भैरव मन्दिर में भैरव चालिसा का पाठ कर भक्तों की मन्नत पूर्ण हेतु विशेष यज्ञ व हवन किया गया, साथ ही भक्तों को मदिरा के प्रत्यक्ष प्याले के दर्शन करवाया गया। 1 वर्ष में कई बड़े-



बड़े चमत्कार देखने को मिले, हजारों श्रद्धालुओं की मन्नत पूर्ण हुई, विश्व विख्यात श्री काल भैरव मन्दिर विश्व का तीसरा सबसे बड़ा व चमत्कारी मन्दिर है, विश्व का यह दुसरा मन्दिर है जहाँ काल भैरव प्रत्यक्ष मदिरा का सेवन करते हैं, ज्ञात रहे महिने के प्रत्येक रविवार को काल भैरव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरी महाराज ने भगवान श्री काल भैरव की 12 वर्षों तक कठोर तपस्या व पूरी निष्ठा और लगन से गौमाता और ट्रस्ट की और से यात्रियों को काल भैरव हुआ, महामण्डलेश्वर ने भैरूजी के

आदेशानुसार भव्य मन्दिर बनवाया। मन्दिर ट्रस्ट व्यवस्थापक ने बताया कि मन्दिर को चारों तरफ लाईट व फ्लावर से सजाया गया, गर्भग्रह में श्री काल भैरव की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गया, श्रद्धालुओं की पूजा-अर्चना करवाने के लिए आचार्य सम्मत खण्डेलवाल, पंडित इत्यादि सेवा में लगे हुई हैं, मन्दिर परिसर को सफाई कर्मचारियों द्वारा स्वच्छ रखा जाता है, मन्दिर में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं उनको भगवान का रूप समझ कर उनका तिलक कर स्वागत सत्कार किया जाता है, मन्दिर ट्रस्ट की और से यात्रियों को काल भैरव की तस्वीर, पुस्तक, भैरव चालिसा इत्यादि

दिए जाते हैं। श्री काल भैरव मन्दिर के 1 वर्ष पूर्ण होने पर ग्राम बावरली, जोधपुर निवासी लक्ष्मणराम चौधरी का अपने परिवार सहित आगमन हुआ, इस दौरान चौधरी परिवार ने पीडित गोवश हितार्थ 1 लाख 50 हजार रु. का सहयोग कर श्री काल भैरव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

भाई,
ये नोट फटी हुई है।
अब क्या करें?

कटे-फटे और खराब नोटों को
बैंक में बदला जा सकता है।

अपने नोट को बचाइए!
आप किसी भी बैंक की
शाखा में जाकर क्षतिग्रस्त नोटों को
बदलकर नए नोट पा सकते हैं।

आरबीआई
कहता है...
स्मार्ट बनो,
कूल रहो

कलक्टर ने किया रोल स्कूल का निरीक्षण

(कार्यालय संवाददाता)
नागौर, 12 अगस्त। जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने घनश्याम दास पूसराज ईन्नाणी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रोल का निरीक्षण किया।
उन्होंने विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता, भौतिक सुविधाओं और अनुशासन व्यवस्था का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर पुरोहित ने कक्षाओं की स्थिति, खेल मैदान की व्यवस्था, मिड-डे मील भोजन की गुणवत्ता एवं रसोईघर की साफ-सफाई की बारीकी से परीक्षण भी किया। जिला कलक्टर पुरोहित ने मिड-डे मील के अंतर्गत विद्यार्थियों को परोसे जा रहे भोजन का स्वयं स्वाद चखा और पोषण स्तर की जानकारी ली। उन्होंने रसोईघर में खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता तथा सफाई व्यवस्था को मानकों पर बनाए रखने के निर्देश दिए। खेल मैदान का निरीक्षण करते हुए उन्होंने खेलों में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर पुरोहित ने विद्यार्थियों के साथ एक प्रेरणात्मक कक्षा भी ली। उन्होंने छात्रों को जीवन में कभी हार न मानने और कभी भयभीत न होने का संदेश देते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य, परिश्रम और

स्कूली बच्चों को वितरित किए तिरंगा ध्वज

(नगर संवाददाता)
नागौर, 12 अगस्त। जिला मुख्यालय के गांव मांझवास में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया। सामाजिक कार्यकर्ता लोकेश टाक के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी, नागौर राम प्रताप बिश्नोई द्वारा की गई जबकि कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ग्राम पंचायत झाड़ीसरा के पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी अजय शर्मा थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लोकेश टाक ने देशभक्ति की भावना जागृत करने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किया और सभी बच्चों को अपनी ओर से राष्ट्रीय ध्वज प्रदान किए। उन्होंने 15 अगस्त स्वतंत्रता

दिवस के अवसर पर हर घर पर सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए मोटिवेट किया। इस अवसर पर एंडीओ बिश्नोई ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशासन और सरकार ने देश में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की प्रति सम्मान व श्रद्धा का भाव बढ़ाने के लिए हर घर तिरंगा अभियान चलाया है। विशिष्ट अतिथि अजय शर्मा ने आजादी के महत्व को समझाया और विद्यार्थियों को तिरंगे ध्वज लगाए जाने के समय की सावधानियां समझाई। शाला प्रधानाचार्य संगीता भाटी ने विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा से कार्य करने का आग्रह किया। साथ ही अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करके समयबद्धता के साथ अध्ययन करने का सुझाव दिया। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र सोलंकी ने किया।

अधिक जानकारी के लिए, <https://rbikehtahai.rbi.org.in/esn> पर विजिट करें
फीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

कांग्रेस धार्मिक सेवा सप्ताह के रूप में मनाएगी राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर का जन्मदिन बारां।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेशभर में राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व राज्य मंत्री धीरज गुर्जर का जन्मदिन धार्मिक सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। जिसके तहत बारां जिले में भी इस सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। किसान कांग्रेस जिला संयोजक शिवराज मीणा ने बताया कि कुशलगढ़ प्रभारी एवं कांग्रेस नेता रमेश मीणा की अगुवाई में 12 अगस्त को शाम 4 बजे अटरू रोड स्थित ताड़के बालाजी मंदिर पर सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। वहीं 13 अगस्त को प्रातः 9 बजे ग्राम कुण्डी चारागाह में क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ पौधारोपण किया जाएगा। इसी तरह 14 अगस्त को श्रीकृष्ण गौशाला में गायों को चारा व गुड़-लाप्सी खिलाया जाएगा। जबकि 15 अगस्त जिला व क्षेत्र के कार्यकर्ता भीलवाड़ा में आयोजित होने वाले जन्मोत्सव व जन आशीर्वाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। कुशलगढ़ प्रभारी रमेश मीणा ने कांग्रेसजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, धार्मिक संगठनों एवं आमजन से कार्यक्रम में भाग लेने लेकर धर्म लाभ उठाने की अपील की है।

विभाजन विभीषिका की स्मृति व स्वाधीनता का विजयोत्सव मनाएँ

कोटा। नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद और प्रगतिशील सिन्धी समाज की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में कोटा के जाने माने लेखक और भारतीय सूचना सेवा के पूर्व निदेशक किशन रतनानी ने विषय विशेषज्ञ के रूप में बोलेते हुए कहा कि यह मोदी सरकार ही है जिसने 14 अगस्त 2021 से 14 अगस्त के दिन को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का फैसला किया और इसी सरकार ने ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता को विजयोत्सव कहकर लोकसभा के माध्यम से सारे संसार को देश की सामरिक काबलियत और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया ,इसलिए सिन्धी समाज के सभी लोगों को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के साथ साथ स्वाधीनता को विजयोत्सव के रूप में मनाना चाहिए। इस सेमिनार में सिन्धी अकादेमी दिल्ली के सचिव डॉ रमेश लाल, लेखिका वीना श्रृंगी और शालिनी सागर ने भी अपने अनुभव और सिन्धी समाज के अहसासों को सबके सामने रखा।



लायन्स क्लब ने वीर जवानों के साथ मनाया रक्षाबंधन



जयपुर। लायन्स, लियो एवं वी क्लब जयपुर सेन्ट्रल स्पाइन के एवं राजपुताना राईफल्स के संयुक्त तत्वाधन मे निवार मिलिट्री स्टेशन में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। संयोजक बसन्त जलेवा ने बताया कि कार्यक्रम मे 19 से ज्यादा क्लबों की महिला सदस्यों ने सैनिको को राखी बांधी। प्रमुख रूप से लायन्स क्लब जयपुर आदर्श नगर, हवामहल, चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, स्पार्कल, सुपर स्टार, एंजिल रूबी, फेंड्स, बनी पार्क, डायमण्ड, रॉयल, आकाशदीप, क्वीन्स आदि क्लबों की सदस्यों ने हमारे देश के वीर जवानों को रक्षा सूत्र बांधा। इस अवसर पर जीनू भारतीय, शंकर सिंह खंगारोत, ममता पंचोली, योगिता जलेवा, राम शरण जागिंड, अंजना जैन, आशिष अग्रवाल, सचिन जैन, निक्की शर्मा, दिनेश सिंघल, श्वेता गुप्ता, मनन जलेवा, प्रियल खंडेलवाल, सुशीला गुप्ता, अर्चना जैन आदि सौ से अधिक सख्या में सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन पर राजपुताना राइफल्स द्वारा सभी सदस्यों को अल्पाहार दिया गया।



हर घर तिरंगा रैली में देश भक्ति गीतों पर झूमे विद्यार्थी फूलों से रंगोली सजाई, पोस्टर बैनर निर्माण कर समा बांधा



बांसवाड़ा। घाटोल ब्लॉक में नामांकन दाखिले में द्वितीय स्थान लाने वाले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अमरथून नोडल में संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्र प्रथम फिर हम की भावना की अलख जगाते हुए हर घर तिरंगा के तहत 2139 विद्यार्थियों की विशाल रैली ,रंगोली,पोस्टर बैनर निर्माण, सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम रही। संस्था प्रधान अरुण व्यास ने बताया कि संविधान प्रदत्त फ्लैग कोड ऑफ इंडिया के अनुसार सही ढंग से तिरंगा फहराने का आन्धान करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और पहचान है इसमें वालंटियर के रूप में स्कूली बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका है जिसमें वे देशभक्ति

के प्रतीक बन कर प्रत्येक घर, स्कूल और समुदाय को तिरंगा फहराने और एकता की भावना को मनाने के लिए प्रेरित करेंगे और राष्ट्र प्रथम फिर हम की भावना की अलख जगावे।

पारी प्रभारी कारू लाल मेघवाल व्याख्याता जीव विज्ञान विभाग ने कहा कि वालंटियर इस अभियान की आत्मा हैं। इस अवसर पर अमरथुन नोडल के विभिन्न स्कूली बच्चों की रैली राउमावि अमरथुन स्कूल में समारोह मे बदल गई। जिसमें प्रभारी बदन लाल डामोर ने कहा कि 2 अगस्त 2025 से प्रारम्भ राष्ट्र प्रथम- फिर हम कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों को वालंटियर बना कर हर घर तिरंगा की जनता में फ्लैग कोड ऑफ इंडिया के

अनुसार सही ढंग से तिरंगा फहराने में सहायता करना , सेल्फी क्लिक कर अपलोड करना, तिरंगे की कहानियाँ सुनाना, निकटतम डाकघर से झंडे थोक में खरीदकर अपने आस-पड़ोस में वितरित करना,संस्कृति मंत्रालय से आधिकारिक प्रमाणपत्र प्राप्त करना,सौंपे जाएंगे और अधिकतम फोटो अपलोड करने वाले शीर्ष वालंटियर्स को राज्य और राष्ट्रीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर समारोह में अनूप मेहता ने पंजीकरण कैसे करें और हर घर तिरंगा पोर्टल पर वालंटियर रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने की आधुनिक तकनीक सिखाई। इस अवसर पर समारोह की भेरू लाल डोडियार,दिलीप कुमार मीणा,प्रभुलाल

खराड़ी, जीवन लाल निनामा, श्रीमति प्रज्ञा अधिकारी, श्रीमति रैना निनामा, कचरू लाल चरपोटा,कपिल वर्मा, पर्वत सिंह हरिशंकर , मानसिंह , श्रीमति देवली बाई, मयूर पडियार,मुकेश पटेल सहित खुशपाल कटारा दयाशंकर चरपोटा ने संबोधित किया।

इस अवसर पर समारोह में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए श्री दिलीप कुमार मीणा को साफ़ा बांध, उपर्णा ओढ़ाकर,श्रीफल भेंट कर शाल ओढ़ा कर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संचालन खुशपाल कटारा ने किया और आभार प्रदर्शन कपिल वर्मा ने ज्ञापित किया। अन्त में सभी ने राष्ट्र गान को गाकर सम्मान दिया ।

जन्माष्टमी महोत्सव: गोविन्द देवजी मंदिर में स्कूली छात्र देंगे प्रस्तुतियां

जयपुर। जयपुर के ठिकाना मंदिर श्री गोविन्द देव जी में इस वर्ष का श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव (उत्सव श्रृंखला 2025) 31 जुलाई से प्रारंभ होकर 17 अगस्त तक चलेगा।

भक्तों के लिए यह आयोजन भक्ति, संगीत और सांस्कृतिक उत्सव संगम होगा। इस दौरान एल्पाईन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा भक्ति रस के विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। 16 अगस्त जन्माष्टमी उत्सव, 17 अगस्त नन्दोत्सव व शाम 4. 30 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी।इससे पूर्व



प्रतिदिन सुबह मंगला आरती, दोपहर श्रृंगार व संध्या आरती, और रात्रि में विशेष भजन संध्या का आयोजन होगा।

विभिन्न दिनों में अमर पुष्प राम संकीर्तन मंडल, श्री गिरिराज मंदिर मंडल, श्री गोविन्द मंदिर मंडल और अन्य मंडल अपनी प्रस्तुति देंगे। मुख्य आयोजन जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि अधिकतम संख्या में पहुंचकर इस भव्य उत्सव में सक्रिमिलित हों और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आशीर्वाद प्राप्त करें।

गुरुकुल महोत्सव 2025: कवियों के महाकुंभ की सफलता का जश्न

जयपुर। में आयोजित गुरुकुल महोत्सव 2025 के कवियों के महाकुंभ की सफलता पार्टी में कवियों और साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। जयपुर के गौरव टावर स्थित फ्लेवर रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक किशोर पारीक ने बताया कि डॉ श्याम सिंह राजपुरोहित जी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में सफलता पार्टी के दौरान शॉल सम्मान देकर सभी सहयोगियों का अभिनंदन किया गया।

सम्मानित व्यक्तियों में अपडेट इंडिया के सुनील सुशील शर्मा, कवि केशव देव मारवाड़ी, डॉ ज्ञान सक्सेना, श्री अमर सिंह अमर, श्री मनीराम कुमावत जी, अशोक कुमावत, वरिष्ठ कवि श्री वरुण चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार वी जैन, श्री राजकुमार चौहान, श्री दीपक खंडेलवाल, श्री सुभाष सक्सेना शामिल थे।

श्रीमती सुनीता पारीक ने आभार ज्ञापित किया। इस तीन दिवसीय समारोह में 11 कवि सम्मेलन आयोजित कर एक एतिहासिक रिकॉर्ड बनाया गया, जो एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में दर्ज हुआ।

रेत के धोरों में दिखोगा गोवा सा नजारा बीकानेर से 144 किलोमीटर दूर 211 करोड़ खर्च कर जलाशय तैयार

बीकानेर, 11 अगस्त। बीकानेर के धोरों पर अगर आपको गोवा जैसा नजारा देखने को मिले तो आप चौंक जाएंगे पर ये सच है। बीकानेर से 144 किलोमीटर दूर 211 करोड़ रुपए से ऐसा जलाशय तैयार किया गया है जिसमें कई झीलें समाहित हो जाएं। रेत के टीलों के बीच बनी झील से गोवा के किसी बीच जैसा नजारा बन रहा है।

जो जाता है वो वहां से वीडियो बनाकर लाता है और वो वायरल हो रहे हैं। ये वही झील है जिससे हर घर नल कनेक्शन योजना के लिए पानी दिया जाएगा। झील अब इसलिए चर्चे में आई क्योंकि इसे आधा भर दिया गया है। आरडी 507 और 750 हेड बीकानेर जिले में हैं। 507 हेड बनकर तैयार है। 2000 एमसीएफटी क्षमता वाला जलाशय आधा भर गया है। यानी करीब 1000 एमसीएफटी पानी एकत्र हो गया। आधा जलाशय भरते ही गोवा के बीच जैसा नजारा देखने को मिलने लगा है। अब लोग वहां दूर-दूर से जाने लगे हैं। इसी झील



के पानी से हर घन नल कनेक्शन योजना को सालभर पानी दिया जाना है। संकट में बीकानेर शहर को भी पानी इस जलाशय से मिल सकेगा।

भराव क्षमता- 2000 एमसीएफटी

इस जलाशय का बेड लेवल 173.48 मीटर है। एफएसएल ऑफ कैनाल 179.59

मी. फुल रिजर्ववायर लेवल 176 मी. तथा पानी की भराव क्षमता- 2000 एमसीएफटी है। वहीं इस पर 211 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।



आज का राशिफल

मंगलवार 12 अगस्त, 2025

- **मेघ** : आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने वाला रहेगा। कारोबार में आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको अपने कार्यों पर पूरा ध्यान देना होगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपको किसी की कही सुनी बातों पर भरोसा करने से बचना होगा।
- **वृष** : आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहने वाला है। आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद से काफी कुछ मिलेगा। कोई शारीरिक समस्या होने से मन परेशान रहेगा। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति को यदि आपने धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है।
- **मिथुन**: आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपका कोई फैसला समस्या देगा। आपको किसी परिजन की याद सता सकती है। अस्थायिक के कार्यों के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह न बोलें।

- **कर्क** : आज आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहने से परेशान रहेंगे। आपको निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। आपको जल्दबाजी में कोई काम करना नुकसान देगा। आप किसी के बहकावे में आकर इन्वेस्टमेंट करने से बचें, नहीं तो उसमें आपको धन फंस सकता है।
- **सिंह**: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपके मन में किसी काम को लेकर यदि उलझन चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। राजनीति में कार्यरत लोग अपने विरोधियों से सतर्क रहें, नहीं तो वह उनकी छवि को खराब करने की कोशिश कर सकते हैं।
- **कन्या** : आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपनी शौक मौज की चीजों पर अच्छा खर्चा करेंगे। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। यदि आपका धन कहीं अटक हुआ था, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है।

- **तुला** : आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपने सगे संबंधियों का पूरा साथ मिलेगा। नौकरी पैसा जातकों को अपने कार्यों पर पूरा ध्यान देना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको टीम वर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं।
- **वृश्चिक** : आज का दिन आपके लिए सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप परिवार के सदस्यों के साथ मौज मस्ती भरे पल व्यतीत करेंगे। आज का दिन आपके लिए आनंद में रहने वाला है। आप अपने निर्णय से लोगों को हैरान करेंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।
- **धनु** : आज का दिन आपके लिए भाग्य के वृद्धिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी, लेकिन आपको अपनी सेहत को लेकर थोड़ा एतियात बरतनी होगी।

- **मकर** : आज का दिन आपके लिए इनकम में वृद्धि लेकर आने वाला है। पारिवारिक मामलों को लेकर आपको कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे और आप अपने मनवाहे खर्चों की भी आसानी से कर सकेंगे, जिससे आपका मन काफी खुश रहेगा।
- **कुंभ** : आज का दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। यदि आपकी कोई परेशानी थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप किसी से कोई बात बहुत ही तोल मोल कर बोले, नहीं तो उधे आपको बात गलत लग सकती है। कार्य क्षेत्र में आपके छुपे हुए राज बाहर निकलेंगे।
- **मीन** : आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए काफी अच्छा रहने वाला है। आप अपने जरूरी कामों पूरा ध्यान देंगे। आपका मन यदि किसी बात को लेकर परेशान रहेगा, तो आप उसमें धैर्य बनाए रखें। आपके कुछ नए प्रयास रंग लाएंगे।

आज का दिन

भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया, विक्रम सं. 2082, शक संवत् 1947, हिजरी 1447, तदनुसार अंग्रेजी दिनांक 12 अगस्त, सन् 2025 ईस्वी।
वार- मंगलवार, सूर्य-उत्तरायण, ऋतु-ग्रीष्म

सम्पादकीय

टैरिफ वारः समाधान बातचीत से निकाला जाए

सौजनफायर और टैरिफ को लेकर डॉनल्ड ट्रंप के दावों-आरोपों का भारत ने अभी तक जो भी जवाब दिया, उसमें भाषा नम्र और सांकेतिक रखी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान इस मायने में अलग और अहम है कि ट्रंप का नाम उन्होंने भी नहीं लिया, लेकिन इस बार जवाब ज्यादा सख्त था। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा। कोई भी बातचीत बराबरी के स्तर पर होनी चाहिए। अपने मन मुताबिक डील करने में नाकाम रहे ट्रंप ने भारत की इकॉनमी को ‘डेड’ बताया था। राजनाथ सिंह ने इसी का जवाब देते हुए कहा- कुछ ‘बॉस’ भारत से जलते हैं।

दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते ही भारत की जीडीपी ग्रोथ का 2025-26 के लिए अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा, जबकि दुनिया की बाकी इकॉनमी की ग्रोथ के लिए यह अनुमान करीब 3 प्रतिशत है।

के लिए यह अनुमान करीब 3 प्रतिशत है। आईएमएफ के डेटा बताते हैं कि 2024 में भारत ने ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में लगभग 17 प्रतिशत का योगदान दिया और अगले 5 साल में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने सबसे शानदार रिकवरी की और युद्धों व वैश्विक उथल-पुथल के बीच भी वह बहुत बनाए हुए है। हकीकत यह है कि खुद अमेरिका की अर्थव्यवस्था इस समय संकट के दौर में है। ट्रंप की नीतियों के चलते अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को वहां महंगाई दर बढ़ने का डर है, जिससे आर्थिक विकास दर पर बुरा असर होगा। ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण अगर अमेरिका में मंदी के हालात बनते हैं, तो असर दूसरे मुल्कों पर भी होगा। ट्रेड और टैरिफ पर ट्रंप का सख्त रुख किसी के लिए भी सही नहीं है। आखिरकार इस बड़े टैक्स की कीमत अमेरिकियों को ही चुकानी पड़ेगी। ऐसे में बेहतर है कि समाधान बातचीत से निकाला जाए। लेकिन, वह बातचीत एकतरफा और अपनी मर्जी थोपने वाली नहीं हो सकती। अपनी ग्रोथ को बनाए रखने के लिए भारत की एनर्जी संबंधी जरूरतें अमेरिका से बिल्कुल अलग हैं। इसी तरह, विशाल किसान आबादी को लेकर भी भारत की कुछ चिंताएं हैं। किसी भी समझौते में इन पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

विदेशी अवबारों से

चीन में हलचल तेज, राजनयिक लि्यू जियानचाओ को हिरासत में लिया

चीन के सियासी गलियारों में हलचल तेज है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने मामले से परिचित लोगों के हवाले से बताया कि चीनी अधिकारियों ने वरिष्ठ राजनयिक लि्यू जियानचाओ को जांच के लिए हिरासत में लिया है। अखबार ने बताया कि लि्यू को जुलाई के अंत में विदेश यात्रा के बाद बीजिंग पहुंचने पर हिरासत में ले लिया गया था। हिरासत का कारण स्पष्ट नहीं है। लि्यू कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग के प्रमुख हैं, जो विदेशी राजनीतिक दलों से संपर्क करने वाली एक एंजेंसी है और चीन के विदेश मंत्रालय के समानांतर काम करती है। वह मई 2022 से इस पद पर हैं। लि्यू के वांग यी की जगह बीजिंग के शीर्ष राजनयिक का पदभार संभालने की व्यापक उम्मीद थी। जुलाई 2023 में किन गैंग को उनके पदभार ग्रहण करने के एक साल से भी कम समय बाद अचानक पद से हटा दिए जाने के बाद वांग को फिर से विदेश मंत्री नियुक्त किया गया था। बर्खास्तगी के बाद से किन को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के एसोसिएट प्रोफेसर अल्फ्रेड वू ने कहा कि यह बहुत बड़ी बात है। लि्यू को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जा रहा था जो भविष्य में चीनी विदेश मंत्री वांग यी की जगह ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर बीजिंग की कार्रवाई, खासकर उच्च पदस्थ अधिकारियों को निशाना बनाकर, भ्रष्टाचार से लड़ने के उनके दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करके आम लोगों के बीच शी की वैधता और लोकप्रियता को भी बढ़ाती है। वु ने आगाह किया कि हिरासत से जुड़े विवरण अस्पष्ट हैं और शायद कभी उजागर न हों लेकिन उन्होंने कहा कि जब वरिष्ठ चीनी सरकारी अधिकारियों से पूछताछ की जाती है, तो सबसे संभावित कारण भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दे होते हैं।

प्रेरक प्रसंग

खुशी का रहस्य

एक छोटे से गांव में रवि नाम का एक लड़का रहता था। वह हमेशा दूसरों से बेहतर बनने की होड़ में लगा रहता था। उसे लगता था कि जिसके पास सबसे ज्यादा चीजें होंगी, वही सबसे सुखी होगा। इसी सोच में वह दिन-रात पैसे कमाने और चीजें इकट्ठा करने में लगा रहता था। एक दिन, गांव में एक संत आए। उनके प्रवचन सुनने दूर-दूर से लोग आने लगे। रवि भी संत के पास गया। संत ने अपने प्रवचन में कहा, मनुष्य की सबसे बड़ी दौलत संतोष है। रवि को संत की बात समझ नहीं आई। उसने सोचा, यह कैसे हो सकता है ? वह संत के पास गया और उनसे पूछा, महाराज, मैं आपकी बात नहीं समझा। संत मुस्कुराए और बोले, पुत्र, कल सुबह तुम मेरे साथ चलना। अगले दिन सुबह, संत और रवि एक सुनसान जगह पर गए। संत ने रवि से कहा, देखो, इस जमीन पर कितने सुंदर फूल फिले हैं। क्या तुम इन्हें तोड़कर अपने घर ले जाओगे ? रवि ने कहा, नहीं महाराज, ये तो यहीं अच्छे लगते हैं। संत ने फिर पूछा, और यह बहती नदी का पानी ? क्या तुम इसे रोककर अपने घर ले जाओगे ? रवि ने कहा, नहीं महाराज, नदी का पानी तो बहता ही अच्छा लगता है। तब संत ने रवि से कहा, ठीक इसी तरह, जीवन में कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें पाने की बजाय बस उनका आनंद लेना चाहिए। हमें हर चीज को अपना बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

ललित गर्ग

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर

लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता

है। इसमें ईवीएम की

पारदर्शिता, मतदाता सूची में

गड़बड़ी और चुनाव आयोग की

निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे

शामिल हैं। इसके साथ ही

मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी,

महंगाई, पेगासस जासूसी,

किसानों की समस्याएं और

हाल ही में आई बाढ़ एवं

आपदा राहत जैसे मुद्दे भी

विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन

विपक्ष इन और ऐसे जरूरी

मुद्दों पर चर्चा का माहौल

बनाने की बजाय सरकार को

घेरने की मानसिकता से ग्रस्त

है। संसद की प्रासंगिकता तभी

है जब उसमें देश की

सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो

और विपक्ष इसमें सकारात्मक

भूमिका निभाये। गतिरोध के

कारण दर्जनों विधेयक लंबित

हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला

आरक्षण बिल, वन नेशन वन

इलेक्शन पर चर्चा, कृषि

कानूनों में संशोधन, आदि।

भारतीय राजनीति से दो दिनों में दो कद्दावर नेताओं का निधन बड़ी शून्यता कायम कर गया है। 4

अगस्त को शिबू सोरेन का निधन हुआ और 5 अगस्त को सत्यपाल मलिक का। सोरेन और मलिक दोनों की राजनीति के तौर-तरीके अलग थे, दल अलग थे, विचारधारा अलग थी। लेकिन मिजाज दोनों का एक ही तरह का था, जुझारू, अस्खड़पुन्रा, जमीन से जुड़ाव और गांधी की भाषा में कहें तो अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की फिक्र दोनों नेताओं की राजनीति के केंद्र में रही। शिबू सोरेन आदिवासियों के बड़े नेता थे, उन्हें झारखंड के लोग केवल दिशोम गुरु (समाज का गुरु) ही नहीं कहते हैं, बल्कि भगवान की तरह मानते हैं। सत्यपाल मलिक का जनाधार बेशक शिबू सोरेन की तरह नहीं रहा, लेकिन उन्होंने भी गरीब, वंचित पीड़ित लोगों के हितों को तरजीह दी। शिबू सोरेन और सत्यपाल मलिक में सबसे बड़ी समानता यह रही कि सत्ता के साथ रहते हुए जी हुजुरी नहीं की और सत्ता के खिलाफ रहे तो खौफ नहीं खाया। साल 1944 में अविभाजित बिहार के हजारीबाग में जन्मे शिबू सोरेन के संघर्ष की शुरुआत अल्पायु में ही हो गई थी। उनके पिता सोबरन सोरेन की हत्या कर दी गई, क्योंकि उन्होंने आदिवासी इलाकों में फैले महाजनों के आतंक के खिलाफ आवाज उठाई थी। पिता के संघर्ष को आगे बढ़ाते हुए शिबू सोरेन ने भी महाजनी प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई और धान कटनी आंदोलन चलाया। उन्होंने आदिवासियों को जागरूक किया कि धान लगाने वाला ही धान काटेगा और इस पर महाजनों का कोई अधिकार नहीं है। 70 से 80 के दशक में ये आंदोलन बहुत बड़ा हो गया, इसने झारखंड के किसानों, कामगारों और काश्तकारों को एकजुट किया, आदिवासियों को शोषण के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत दिलाई। इसी वजह से शिबू सोरेन को झारखंड के लोगों ने दिशोम गुरु की उपाधि दी। कई सालों तक शिबू सोरेन ने आदिवासियों के लिए रात्रि पाठशाला चलाई ताकि दिन भर अपना-अपना काम निपटाने के बाद आदिवासी पढ़ पाएं। शिक्षा के अलावा शराब और नशे से आदिवासियों को दूर करने की कोशिश भी शिबू सोरेन ने की।

हास्य-व्यंग्य

आलोक पुराणिक

सरकारी निठल्लापन नहीं था, वह निजी निठल्लापन था। देश के लगभग सबसे बड़े निजी बैंक के दफ्तर में एक काम से लाइन में लगा था मैं। सरकारी बैंकों, सरकारी दफ्तरों में निठल्लापन बहुत सहज लगता है। साधो, निठल्लापन सहज भला। सरकारी बैंकों, सरकारी दफ्तरों में बंदा घुसता है, तो निठल्लेपन की मानसिक तैयारी होती है। सिंह साहब चाय पीने गये होंगे। निजी तौर पर सरकारी दफ्तरों, सरकारी बैंकों का माहौल मुझे अठारहवीं शताब्दी के ढीलेपन की

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तस्खियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और

माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिस हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। भानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र। विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही

बीएन गुर्जर

साल 1944 में अविभाजित बिहार के

हजारीबाग में जन्मे शिबू सोरेन के

संघर्ष की शुरुआत अल्पायु में ही हो

गई थी। उनके पिता सोबरन सोरेन की

हत्या कर दी गई, क्योंकि उन्होंने

आदिवासी इलाकों में फैले महाजनों के

आतंक के खिलाफ आवाज उठाई थी।

पिता के संघर्ष को आगे बढ़ाते हुए शिबू

सोरेन ने भी महाजनी प्रथा के खिलाफ

आवाज उठाई और धान कटनी

आंदोलन चलाया। उन्होंने आदिवासियों

को जागरूक किया कि धान लगाने

वाला ही धान काटेगा और इस पर

महाजनों का कोई अधिकार नहीं है।

1980 में पहली बार सांसद बनने के बाद जब उन्होंने संसद में भाषण दिया तो शराब के विरोध में बोले। शिबू सोरेन ने सामाजिक सुधार के साथ 1973 में राजनीति में कदम रखा, विनोद महतो और कामरेड एके राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। अविभाजित बिहार में प्राकृतिक संसाधनों का खजाना लिए दक्षिण के 26 जिलों को मिलाकर एक झारखंड राज्य बने, ऐसी कल्पना उन्होंने की। लंबे संघर्ष और राजनैतिक उठापटक के बाद आखिरकार 2000 में झारखंड राज्य बना, साथ में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी बने। हालांकि झारखंड निर्माण के बाद कई बार राजनैतिक अस्थिरता बनी। इस दौरान शिबू सोरेन कभी लोकसभा, कभी राज्यसभा, कभी विधानसभा के सदस्य बनते रहे। विभिन्न दलों के साथ उनके वैचारिक, सैद्धांतिक टकराव हुए। दिल्ली की सत्ता पर बैठे लोगों के साथ उन्होंने समझौते भी किए, लेकिन इन सबके बीच आदिवासियों के हितों के उद्देश्य से गुरुजी एक बार भी नहीं भटके। आठ बार लोकसभा

दिलकश याद दिलाता है। तेज-तर्रार निजी बैंकों के दफ्तरों की कंप्यूटर-जनित तेजी तो डराती है मुझे।

पर साहब मेरा डर गायब होने लगा है, निजी बैंक के दफ्तर में बीस मिनट लाइन में लगा रहा, एक बंदा आगे ना खिसका। पूछा तो पता चला कि कंप्यूटर ठप है और पीछे से ठप है। कंप्यूटर एक घंटे बाद सही हुआ, तो कोई गुसाजी लाइन से बाहर से अवतरित हुए, आठ-दस फार्म और उनके साथ भरी जानेवाली रकम दे गये।

मैंने नाराजगी में कहा-ये लाइन से बाहर काम तो सरकारी बैंकों में होता था, अब ये निजी बैंकों

है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरौं ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा।



इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पंच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बात जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल आम बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है ? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है।

जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाना देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है। चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट

सांसद, दो बार राज्यसभा सांसद, दो बार विधायक बनने वाले शिबू सोरेन ने केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री जैसे पद संभाले, हालांकि कई तरह के मामले-कार्यकाल कभी पूरा नहीं कर पाए। आज जब सत्ता पर किसी भी तरह बैठना ही कई नेताओं का अंतिम लक्ष्य बन गया है, तब शिबू

सोरेन जैसे नेताओं के जीवन को याद करना चाहिए, जिन्होंने सत्ता से पहले नागरिकों का ख्याल रखा।

सत्यपाल मलिक का भी राजनीतिक जीवन पांच दशक लंबा रहा। 1968-1969 में छत्र राजनीति से शुरुआत करते हुए श्री मलिक किसान नेता चौधरी चरण सिंह के करीब आए और 1974 में चुनावी राजनीति में उतरे। बागपत से विधानसभा का चुनाव बहारक पहली बार विधायक बने। इसके बाद वे चौधरी चरण सिंह के साथ ही लोक दल में शामिल हो गए, उन्हें राज्यसभा पहुंचे। 1984 में वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 1986 में एक बार फिर राज्यसभा पहुंचाया। बोफोर्स मामला उठने के बाद मलिक वी पी सिंह के नेतृत्व वाले

जनता दल में शामिल हुए, 1989 में सांसद बने और केन्द्रीय राज्य मंत्री भी। इसके बाद 2004 में सत्यपाल मलिक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। राजनीतिक उथल-पुथल, सत्ता के खेल इन सबको मलिक ने करीब दो पता चला कि उनमें प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर शामिल हुए। जिस पार्टी के साथ रहे, उससे मतभेद भी हुआ। लेकिन भाजपा में नरेन्द्र मोदी का शासनकाल शुरू होने पर जिस तरह उनके मतभेद सामने आए, वे सर्वाधिक चर्चित हुए। पुलवामा हमले पर मोदी सरकार ने उन्होंने जो हमला बोला, उसकी काफी चर्चा हुई। बहरहाल, सत्यपाल मलिक ने खुलासा किया था कि उन्होंने सरकार से कहा था कि जवानों को हवाई मार्ग से भेजा जाना चाहिए, लेकिन उनकी सलाह नहीं मानी गई। इसके अलावा उन्होंने सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए। इससे पहले किसान आंदोलन, महिला पहलवानों का जंतर-मंतर पर धरना, अग्निवीर पर फैसला, भूमि अधिग्रहण विधेयक इन सब पर उन्होंने सरकार की मुखालफत की।

निजी निठल्लापन...

मैं भी होने लगा। गुसाजी फूल आक्रामकता से मुखातिब होकर बोले-जी देश तो वो ही है, क्या निजी, क्या सरकारी। मजा आ गया। मेरा टेंशन कम होने लगा है। अब निजी बैंकों में भी आने-जाने में घबराऊंगा नहीं। अठारहवीं शताब्दी का ढील फील का लेने के लिए हाल तक मैं डाकखानों में, सरकारी बैंकों में जाता रहा हूँ, अब निजी बैंकों के दफ्तर भी जाया करूंगा।

मैंने निवेदन किया निजी बैंक के ब्रांच मैनेजर से कि उस दीवार पर पान की पीक भी थोड़ी डलवा दें, तो सरकारी दफ्तर का पूरा फील आ

वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये के बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूँजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अर्पण ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-

संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज़ है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई दल के प्रचारक, या केवल सत्तालोभन राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे।

अमर, अकबर, एंथनी जैसी हो जाएगी भारत-रूस और चीन की तिकड़ी

आशीष शुक्ला

अमेरिका भारत पर गुरुवार से व्यापार में 25 प्रतिशत और टैरिफ लगाने वाला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा है कि भारत अगर रूस से तेल और हथियार खरीदना जारी रखता है तो टैरिफ और अधिक हो सकता है। मंगलवार को अपनी धमकी दोहराते हुए उन्होंने 24 घंटे के अंदर टैरिफ बढ़ाने की बात कह दी। भारत में स्वाभाविक ही इससे चिंता है। सवाल है कि ट्रंप अपने कहे पर अड़े रहे तो क्या होगा ?

पहले रूस की बात कर लें। भारत अपना 85 प्रतिशत तेल आयात करता है। इसका 35 प्रतिशत फिलहाल वह रूस से ले रहा है। सोचिए, आज का भारत किस पर आश्रित है ? यह उस मुक्त पर आश्रित है, जो आपकी तकनीक की तरह इससे इनकार नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर में हम एस400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तारीफ कर रहे थे, यह रूस से ही भारत को मिला है। फिर मिसाइल हों, टैंक हों, मेड इन इंडिया में भारत के साथ कंधे से कंधा मिला कर रूस खड़ा है। अमेरिका की सारा इससे इनकार नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर में हम एस400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तारीफ कर रहे थे, यह रूस से ही भारत को मिला है। फिर मिसाइल हों, टैंक हों, मेड इन इंडिया में भारत के साथ कंधे से कंधा मिला कर रूस खड़ा है।

अमेरिका कहता है ऐसे दोस्त को छोड़ दो। भला क्यों ? क्योंकि व्यापार में भारत को अमेरिका 44 बिलियन डॉलर (सरपल्लव ट्रेड) का फायदा देता है। भारत के साथ, अमेरिका का फिलहाल व्यापार करीब 132 बिलियन डॉलर का है। वह कहता है 2030 तक इसे 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचा देंगे। आशय यह है कि अगर बात मान

जायेगा। भविष्य में अगर हथियार व्यवस्थाएं ठप-बंद कंप्यूटर आधारित हो गयीं, तो क्या होगा।

मुझे भविष्य का एक सीन दिखायी दे रहा है-कारगिल बार्डर पर भारत-पाक सैनिक आमने सामने हैं, फायरिंग कंप्यूटरों के जरिये होनी है। कंप्यूटर पीछे से ठप हैं, दोनों साइड से ही, तो तो फायरिंग। दोनों साइड के बंदे बोरे हो गये हैं। चल गाना सुना दे,बोर हो रहे हैं। हार-जीत का फैसला चलो अत्याक्षरी से होगा। ठप-बंद कंप्यूटरों का अहिंसा में यह एतिहासिक योगदान होगा।

स्टेलंटिस इंडिया ने अहमदाबाद में दोहरे ब्रांड रिटेल अनुभव के लॉन्च के साथ गुजरात में अपनी उपस्थिति मजबूत की

अहमदाबाद, एंजेंसी। भारत में ग्राहकों की पहुँच और ब्रांड पहुँच बढ़ाने के अपने वादे को पूरा करते हुए, स्टेलंटिस इंडिया ने सूरत में इस प्रारूप की सफल शुरुआत के बाद, गुजरात में अपने दूसरे स्टेलंटिस ब्रांड हाउस (एसबीएच) के लॉन्च के साथ पश्चिमी भारत में अपनी उपस्थिति का और विस्तार किया है। अहमदाबाद स्थित यह सुविधा विश्व स्तर पर प्रशंसित जीप और सिट्रॉएन ब्रांडों को एक ही छत के नीचे लाती है, जिससे ग्राहकों को एक सहज फ़िज़िटल रिटेल अनुभव मिलता है।

सरणखेज-गांधीनगर राजमार्ग पर रणनीतिक रूप से स्थित, यह नया शोरूम एक व्यापक, भविष्योन्मुखी ब्रांड वातावरण प्रदान करता है। अहमदाबाद स्थित स्टेलेंटिस ब्रांड हाउस, ग्रैंड चेरोकी, रैंगलर, मेरिडियन और कंपास सहित जीप एसयूवी की पूरी श्रृंखला के साथ-साथ सिट्रॉएन की विशेष पेशकशों जैसे कि बेसाल्ट, ई-सी3, सी3, सी5 एयरक्रॉस और सी3 एयरक्रॉस को प्रदर्शित करता है। ग्राहक अब एक ही, एकीकृत स्थान पर दोनों ब्रांडों को एक्सप्लोर, कस्टमाइज़ और अनुभव कर सकते हैं, जो बिक्री और बिक्री के बाद की सेवाओं दोनों में एकरूपता सुनिश्चित करता है। स्टेलंटिस इंडिया के बिज़नेस हेड और ऑटोमोटिव ब्रांड्स के निदेशक, कुमार प्रियेश ने कहा कि अहमदाबाद का ऑटोमोटिव परिदृश्य जीवंत और विकासशील है, जो इसे हमारे अगले स्टेलंटिस ब्रांड हाउस के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है। यह दोहरे ब्रांड वाला केंद्र आज के ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो दो प्रीमियम ब्रांडों की सुविधा, एक सहज फ़िज़िटल अनुभव और विश्व स्तरीय सेवा –



सभी एक ही स्थान पर प्रदान करता है। यह भारत में एक मजबूत, एकीकृत खुदरा उपस्थिति बनाने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्टेलंटिस ब्रांड हाउस अहमदाबाद (मैनस मोटर्स) के डीलर प्रिंसिपल, संकल्प जोइसर ने कहा कि हमें जीप और सिट्रॉएन दोनों का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोमोटिव रिटेल के इस परिवर्तनकारी क्षण का हिस्सा बनने पर गर्व है। दोहरे ब्रांड की पेशकश की रणनीति हमें ग्राहकों को एक उन्नत और विशिष्ट अनुभव प्रदान करने में सक्षम बनाती है – चाहे वे मजबूत क्षमता चाहते हों या परिष्कृत आराम।

हमारी टीम उस जुनून, व्यावसायिकता और व्यक्तिगत देखभाल को प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जिसकी ग्राहक इन जैसे वैश्विक ब्रांडों से अपेक्षा करते हैं। सिर्फ़ एक डीलरशिप से कहीं

ज्यादा, स्टेलंटिस ब्रांड हाउस एक समग्र ऑटोमोटिव गंतव्य है। इसमें अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा, 3D कॉन्फ़िगरेटर सहित इंटरैक्टिव डिजिटल उपकरण, उन्नत डायग्नोस्टिक्स और एक पूरी तरह से सुसज्जित सर्विस सेंटर शामिल हैं। जीप और सिट्रॉएन दोनों द्वारा प्रशिक्षित कर्मचारी, ग्राहकों को उनकी यात्रा के हर चरण में असाधारण उत्पाद ज्ञान और सहायता प्रदान करने पर केंद्रित हैं। स्टेलंटिस प्रमुख शहरों में जीप और सिट्रॉएन टचपॉइंट्स के बढ़ते नेटवर्क के साथ भारत में अपनी पहुँच का विस्तार जारी रखे हुए है। अहमदाबाद स्थित यह सुविधा उन बहु-ब्रांड गंतव्यों की बढ़ती सूची में शामिल हो गई है जो समूह की दीर्घकालिक रणनीति का प्रतीक हैं, जो अपने विविध पोर्टफोलियो की शक्ति का लाभ उठाते हुए, ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण के साथ पैमाने को जोड़ती है।

बांगुर कॉन्क्रीट ने कर्नाटक में लॉन्च किया पहला आरएमसी प्लांट, दक्षिण भारत के मार्केट में किया प्रवेश

देश भर में 19 आरएमसी प्लांट्स के साथ कंपनी की विस्तार यात्रा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की

नई दिल्ली, एंजेंसी। भारत के अग्रणी सीमेंट उत्पादकों में से एक श्री सीमेंट लिमिटेड के मास्टर ब्राण्ड 'बांगुर' ने येलाहांका, उत्तरी बेंगलुरु में अपने पहले रेडी-मिक्स कान्क्रीट (आरएमसी) प्लांट के लॉन्च के साथ दक्षिणी मार्केट में प्रवेश किया है। 101 मक़्बाक़ मिटर प्रति घण्टा की क्षमता के साथ डिज़ाइन की गई यह आधुनिक युनिट देश भर में कंपनी की विस्तार योजनाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि है।

अपनी मौजूदगी बढ़ाने की योजनाओं के तहत कंपनी ने कर्नाटक में यह विस्तार किया है। येलाहांका युनिट के साथ बांगुर कॉन्क्रीट के अब देश में 19 आरएमसी प्लांट्स हैं। हर प्लांट

को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह निरंतर अच्छी गुणवत्ता को बनाए रखते हुए पर्यावरण के सख्त मानकों का अनुपालन करे और संचालन दक्षता को भी सुनिश्चित करे।

इस अवसर पर नीरज अखौरी, मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री सीमेंट ने कहा, “कर्नाटक में अपने पहले आरएमसी प्लांट का लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, यह दक्षिणी मार्केट को सेवाएं प्रदान करने की हमारी यात्रा में बड़ी उपलब्धि है।

येलाहांका युनिट पर्यावरण के प्रति सजग एवं उच्च गुणवत्ता के समाधानों के साथ बेंगलुरु की इन्फ्रास्ट्रक्चर की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता

को दर्शाती है। इस नए प्लांट के साथ अब भारत में हमारे आरएमसी प्लांट्स की संख्या 19 पर पहुंच गई है और हमने देश के निर्माण सेक्टर में भरोसेमंद पार्टनर के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत बना लिया है।”

बेंगलुरु प्लांट, इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, स्थायित्व एवं इनोवेशन के लिए बांगुर कॉन्क्रीट की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही भारत के तेज़ी से विकसित होते इस शहरी केंद्र में हमारी स्थिति को मजबूत बनाता है।

इस शहर में रेजीडेन्शियल, कमर्शियल एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में पर्यावरण के अनुकूल, बेहतरीन परफोमेंन्स देने वाले समाधानों की मांग लगातार बढ़

अम्मन इंडिया ने गुजरात में एबीजी पेवर लॉन्च और हाई-टेक वेयरहाउस के साथ अपनी विनिर्माण और आपटरमार्केट क्षमताओं को किया मजबूत

अम्मन इंडिया ने पहला एबीजी पेवर लॉन्च किया और सर्विस इंफास्ट्रक्चर को मजबूत किया

गुजरात, एंजेंसी। अम्मन इंडिया ने अपने विकास और एकीकरण के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने गुजरात स्थित अपने अत्याधुनिक डिटासन विनिर्माण संयंत्र की नई असेंबली लाइन से पहला एबीजी 5420 ट्रेकड पेवर (टियर 3) सफलतापूर्वक रोल-आउट किया।

यह ऐतिहासिक क्षण, एबीजी पेवर व्यवसाय के अम्मन इंडिया में पूर्ण एकीकरण का प्रतीक है और भारत सरकार की ‘मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड’ दृष्टि के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। यह रोल-आउट अम्मन की स्थानीयकरण, नवाचार और भारत से विश्वस्तरीय सड़क निर्माण समाधान उपलब्ध कराने की रणनीतिक प्राथमिकता को दर्शाता है।

इस औपचारिक लॉन्च का नेतृत्व श्री बर्नड होल्ज, कार्यकारी उपाध्यक्ष, एबीजी जनरल मैनेजमेंट, और श्री धीरज पांडा, प्रबंध निदेशक, अम्मन इंडिया, ने अन्य वरिष्ठ नेतृत्व सदस्यों के साथ किया।

भारत का निर्माण क्षेत्र वर्तमान में भारतमाला, पीएम गति शक्ति और स्मार्ट सिटी मिशन जैसे प्रमुख सरकारी बुनियादी ढांचा कार्यक्रमों से प्रेरित होकर तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। नई सुविधा के जुड़ने से अम्मन, तकनीकी रूप से उन्नत, ईंधन-किफायती और उत्सर्जन-मानक अनुरूप सड़क निर्माण मशीनरी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बेहतर स्थिति में होगा। टियर 3 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप एबीजी 5420, उन भारतीय टेकेदारों के लिए उपयुक्त है, जो प्रदर्शन, स

विश्वसनीयता और स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं।

इसके साथ ही, एबीजी 5420 पेवर को अंतरराष्ट्रीय बाजारों, विशेषकर दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, ताकि यह टियर 3 मानकों के अनुरूप, अनुकूलनीय और प्रतिस्पर्धी मूल्य वाले पेवर्स के लिए एक रणनीतिक निर्गत आधार बन सके। आने वाले समय में, घरेलू और विदेशी दोनों बाजारों के लिए अधिक पेवर का उत्पादन किया जाएगा, जिससे विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में व्यापक ग्राहक आधार को सेवा देना संभव होगा।

अम्मन इंडिया ने इसी दिन डिटासन में 10,000 वर्गफुट से अधिक क्षेत्रफल वाला एक समर्पित एबीजी वेयरहाउस भी

शुरू किया, जिसमें अतिरिक्त 2,000+ वर्गफुट सामग्री स्टोर्जिंग ऑपरेशंस के लिए है। इस सुविधा में उन्नत सामग्री हैंडलिंग सिस्टम हैं, जो प्रति शेल्ट 1,200 किलोग्राम तक का भार संभाल सकते हैं, साथ ही 8-स्तरीय स्टोर्जिंग क्षमता वाला जटिल मल्टी-लेवल रैकिंग सिस्टम है, जो लगभग 1,800 रूब को स्टोर करने में सक्षम है। भविष्य के विस्तार और स्केलेबल संचालन को ध्यान में रखकर बनाई गई यह वेयरहाउस संरचना, एबीजी उत्पादों के लिए त्वरित पुर्जों की उपलब्धता, अनुकूलित सामग्री प्रवाह, कम डिलीवरी समय और बेहतर सेवा प्रतिक्रिया प्रदान करते हुए, कंपनी की विनिर्माण आवश्यकताओं और आपटरमार्केट आपूर्ति क्षमताओं को काफ़ी मजबूत करेगी।

इस अवसर पर श्री धीरज

पांडा, प्रबंध निदेशक, अम्मन इंडिया, ने कहा, डिटासन से पहले एबीजी पेवर का रोल-आउट और समर्पित वेयरहाउस का उद्घाटन, हमारे स्थानीयकरण, परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के सशक्त प्रमाण हैं। ये मील के पथर भारत में हमारे एबीजी विकास यात्रा को गति देंगे और हमें एक वैश्विक विनिर्माण एवं निर्यात केंद्र के रूप में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इन दोनों घोषणाओं ने अम्मन इंडिया के विनिर्माण नवाचार, स्थानीय उत्कृष्टता और ग्राहक-केंद्रित सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर पर रणनीतिक फोकस को और मजबूत किया है, जिससे कंपनी घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में तेज़ी और सटीकता के साथ सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होगी।

वरमोरा ग्रैनिटो लिमिटेड ने सेबी के समक्ष दाखिल किया ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी)

नई दिल्ली, एंजेंसी। राजकोट स्थित वरमोरा ग्रैनिटो लिमिटेड (बीजीएल) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया। इस ऑफ़र में 400 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करना और 5,24,35,268 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओफ़फ़एस) शामिल है। ओफ़फ़एस में निवेशक विक्रय शेयरधारक कस्तूरा इन्वेस्टमेंट्स और प्रवर्तक समूह विक्रय शेयरधारक, परसोत्तमभाई जीवराजभाई इंदोर, रमनभाई जीवराजभाई वरमोरा और वल्लभभाई जीवराजभाई वरमोरा शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 में राजस्व के आधार पर, चुने गए सूचीबद्ध समकक्षों में वरमोरा ग्रैनिटो लिमिटेड भारतीय टाइल्स बाज़ार के अग्रणी खिलाड़ियों में से एक है। (स्रोत: टेक्नोपैक रिपोर्ट) टेक्नोपैक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 से

2025 के बीच, टाइल्स को अपने प्राथमिक सेगमेंट के रूप में रखते हुए, राजस्व सीएजीआर के आधार पर, वरमोरा ग्रैनिटो लिमिटेड भारत में चुने गए सूचीबद्ध समकक्षों में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली कंपनी है। टेक्नोपैक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने 2010 में पहली बार डिजिटल प्रिंटेड वॉल टाइल्स लॉन्च की और 2006 में उद्योग में सबसे पहले होमोजेनस-बॉडी स्लैब्स –(i) 1170 × 1770 मिमी और (ii) 1185 × 1785 मिमी फुल-बॉडी स्लैब्स पेश किए। इसके अलावा, 2012 में डबल चार्ज टाइल्स, 2017 में हाई ग्लास और रॉकर, तथा 2020 में किचन स्लैब्स (80×260) लॉन्च किए। कंपनी 2024 में एशिया में पहली बार इंटीग्रेटेड स्टोन टेक्नोलॉजी (IST) का व्यवसायीकरण करने वाली भी बनी (स्रोत: टेक्नोपैक रिपोर्ट), जिसे इटली की टाइल उपकरण प्रदाता कंपनी SACMI Imola S.C. ("SACMI") के तकनीकी सहयोग से विकसित किया गया।

सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1,400 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली, एंजेंसी। राजकोट मुख्यालय वाली सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (SCEEL) ने 1,400 करोड़ रुपये के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दाखिल किया है। इस पेशकश में 1,000 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और 400 करोड़ रुपये तक का ऑफ़र फ़ॉर सेल (OFS) शामिल हैं।

सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे पंप और मोटर, सोलर पंप और कंट्रोलर, पंपखे, लाइटिंग, अन्य विद्युत उपभोक्ता उत्पाद और कृषि उपकरणों का बड़े पैमाने पर

निर्माण करती है। वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2025 के बीच 95.17% की सीएजीआर के साथ परिचालन राजस्व के आधार पर, यह भारत में विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों की सबसे तेज़ी से बढ़ती निर्माता कंपनी है। (स्रोत: 1लैटिस रिपोर्ट)

सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने गुजरात के राजकोट में 1,38,821 वर्ग मीटर में फैला भारत का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन और वर्टिकली इंटीग्रेटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों का संयंत्र स्थापित किया है। 31 मार्च 2025 तक, कंपनी की स्थापित क्षमता पंप और मोटरों के लिए 24,00,000

यूनिट, पंपों के लिए 72,00,000 यूनिट, लाइटिंग उत्पादों के लिए 2,19,00,000 यूनिट और कृषि उपकरणों के लिए 72,000 यूनिट है।

31 मार्च 2025 तक आवासीय और सोलर पंप सेगमेंट में निर्माण क्षमता के मामले में कंपनी देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। (स्रोत: 1लैटिस रिपोर्ट) निर्माण सुविधा में उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रमुख प्रक्रियाओं के लिए रोबोटिक, ऑटोमेशन और कस्टमाइज्ड मशीनें हैं।

यह बैकवर्ड इंटीग्रेटेड है, जिससे बाहरी निरभरता कम होती है, उच्च गुणवत्ता का उत्पादन सुनिश्चित होता है और बड़े पैमाने पर कारोबारी संचालन संभव होते

हैं। सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड एक दोहरे व्यवसाय मॉडल का संचालन करता है – (i) "Silver" और "Bediya" ब्रांड के तहत अपने ब्रांड की बिक्री, और (ii) भारत में प्रमुख मूल उपकरण निर्माताओं (OEMs) के लिए उत्पादों का डिज़ाइन, निर्माण और आपूर्ति।

मोतीलाल ओसवाल इन्वैस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और चाँइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुकर रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएम) हैं और ट्राइलोगल लीगल काउंसलर है।

इंडसइंड बैंक ने स्टार्टअप संस्थापकों को सशक्त बनाने के लिए लॉन्च किया ‘इंडस स्टार्टअप बैंकिंग’ कार्यक्रम

बैंक इस बैंकिंग कार्यक्रम के तहत, शुरुआती चरण के उद्यमों को हर तरह की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा, जैसे मुफ्त भुगतान गेटवे, पीओएस इंस्टॉलेशन और गैर रख-रखाव शुल्क पर 3 साल की छूट

मुंबई, एंजेंसी। इंडसइंड बैंक ने आज 'इंडस स्टार्टअप बैंकिंग' कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की। यह भारत में शुरुआती चरण के स्टार्टअप को सशक्त बनाने के लिए तैयार एक व्यापक बैंकिंग कार्यक्रम है। बैंक इस पहल के ज़रिये नए दौर के उद्यमों को शुरुआत से लेकर बड़े पैमाने पर समर्थन प्रदान करने के लिए विभिन्न किस्म की बैंकिंग सुविधाएं, ऋण और बैंकिंग से परे बहुत सी सेवाएं प्रदान प्रदान करेगा।

भारत में, 1.75 लाख से अधिक डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं और इस तरह देश वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़े स्टार्टअप परितंत्र है। इंडसइंड बैंक इस कार्यक्रम के साथ ज़रिये संस्थापकों के साथ साझेदारी कर उन्हें लचीले और उनकी ज़रूरत के अनुकूल समाधान प्रदान करना चाहता है ताकि वे अपने मुख्य व्यवसाय के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर सकें और बैंक उनकी परिचालन और वित्तीय आवश्यकताओं का ध्यान रखें। 10 साल से कम समय से कार्यरत स्टार्टअप बैंक की वेबसाइट पर या start-up.banking@indusi

nd.com पर ईमेल करके आवेदन कर सकते हैं। इंडसइंड बैंक के उपभोक्ता बैंकिंग एवं विपणन प्रमुख, सौमित्र टिप्पणी में कहा, इंडस स्टार्टअप बैंकिंग कार्यक्रम के साथ, हम देश के महत्वाकांक्षी और नवोन्मेषी उद्यमियों के साथ न केवल बैंकिंग भागीदार के रूप में, बल्कि विकास प्रक्रिया में दीर्घकालिक भागीदार के रूप में खड़े होना चाहते हैं। हमारी पेशकश रोज़मर्रा के काम को सरल बनाने, वित्तीय बाधाओं को कम करने और स्टार्टअप संस्थापकों को आत्मविश्वास से आगे बढ़ने के लिए मंच प्रदान करने के लिए तैयार की गई है।

भारत का स्टार्टअप परितंत्र नवोन्मेष और आर्थिक परिवर्तन को बढ़ावा दे रहा है, ऐसे में इंडसइंड बैंक को उनकी यात्रा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर गर्व है।

इस कार्यक्रम को बेहद सावधानी से तैयार किया गया है ताकि इसमें विभिन्न किस्म की पेशकश शामिल हो, जिसमें गैर रख-रखाव शुल्क पर 3 साल की छूट के साथ

स्टार्टअप चालू खाते, डेवलपर पोर्टल के ज़रिये 250 से अधिक एपीआई तक पहुंच, भुगतान एवं संग्रह समाधान, कर्मचारियों के लिए कॉर्पोरेट वेतन खाते, और कर दाखिल करने तथा कानूनी सलाहकार सेवाओं, एचआरएमएस एवं ईसॉप प्रबंधन के लिए बैंकिंग के अलावा अन्य सेवाएं शामिल हैं। इसके साथ-साथ, स्टार्टअप अपने ग्राहकों और निवेशकों के साथ बैठक आयोजित करने के लिए आठ शहरों-दिल्ली एनसीएन, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, चंडीगढ़, जयपुर और कोलकाता में प्रीमियम पायनियर लाउंज का उपयोग कर सकते हैं। यह कार्यक्रम संस्थापकों के लिए विशेष अग्रणी व्यक्तिगत बैंकिंग विशेषाधिकार और विशेषज्ञ सत्र भी प्रदान करता है।

इंडसइंड बैंक इस नए शुरू किए गए कार्यक्रम के अलावा, एआईसी एसटीपी आ ई ए न ई ए क स ट ी , डीपीआईआईटी – स्टार्टअप इंडिया और आईआईएम लखनऊ इआईसी के साथ रणनीतिक साझेदारियों के ज़रिये भारत के स्टार्टअप परितंत्र को मजबूत कर रहा है।

गलती से भी न छुएं इन लोगों के पैर, बन सकते हैं पाप के भागी ...

हिंदू धर्म में पैर छूने की परंपरा सदियों पुरानी है। यह बड़ों के प्रति प्रेम, सम्मान और आदर व्यक्त करने का एक पारंपरिक तरीका है। मान्यता है कि पैर छूने से व्यक्ति का भाग्योदय होता है और उसके अच्छे कर्मों में भी वृद्धि होती है। इसके अलावा पैर छूने से सकारात्मक ऊर्जा का आदान-प्रदान होता है, जिसका सीधा प्रभाव रिश्तों पर दिखाई देता है। यही नहीं जब भी कोई व्यक्ति अपने गुरुजनों के चरणों का स्पर्श करता है, तो बदले में उसे आशीर्वाद मिलता है, जो सफलता के और निकट पहुंचता है। परंतु सभी के पैर छूने से आपको मनचाहा आशीर्वाद मिले, यह जरूरी तो नहीं। धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक पैर छूने का अपना महत्व और नियम है। आप सभी के चरणों का स्पर्श नहीं कर सकते हैं, यह अशुभ है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इंसान को

किन लोगों के पैर नहीं छूने चाहिए।

भूलकर भी नहीं छूने चाहिए इनके पैर

आमतौर पर घरों में सोए या विश्राम की मुद्रा में लेटे हुए लोगों के चरण स्पर्श कर लिए जाते हैं। लेकिन आपको बता दें यह अशुभ होता है। दरअसल, कभी भी किसी लेटे या सोए हुए व्यक्ति के पैर नहीं छूने चाहिए। पौराणिक कथा के मुताबिक भांजे को कभी भी मामा के पैरों का स्पर्श नहीं करना चाहिए। यह अशुभ होता है। कहते हैं कि जब श्रीकृष्ण जी ने कंस का उद्धार किया है, पैर छूने की यह परंपरा तभी से चली आ रही है, जिसे उचित नहीं माना गया है। कहा जाता है कि यदि कोई व्यक्ति अशुद्ध स्थिति या अशौच है, तो भूलकर भी उसके पैरों को

नहीं छूना चाहिए। यदि कोई इंसान पूजा-पाठ या माला जाप कर रहा है, तो उसके चरणों का स्पर्श नहीं करना चाहिए।

हिंदू धर्म में कुंवारी कन्याओं को साक्षात् देवी का स्वरूप माना जाता है। अक्सर तीज-त्योहारों पर जहां देवी-देवताओं की पूजा की जाती है, वहीं घर की कन्याओं को भोजन कराकर उनके पैर छुए जाते हैं।

परंतु कभी भी कन्याओं से किसी को पैर नहीं छुवाने चाहिए। ऐसा करना आपको पाप का भागी बना सकता है। माना जाता है कि जब से भगवान शिव ने राजा दक्ष का शीश काटा था, तब से दामाद के ससुर के पैर छूने की परंपरा चली आ रही है। हालांकि यह उचित नहीं है। इसलिए दामाद को ससुर के पैर नहीं छूने चाहिए।



रक्षाबंधन के कितने दिनों बाद उतार सकते हैं राखी ?



रक्षाबंधन का पावन पर्व देशभर में मनाया जा रहा है। यह त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है। हिंदू धर्म में इस त्योहार का विशेष महत्व होता है और यह हर वर्ष श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है।

रक्षाबंधन के बाद कब और कैसे उतारनी चाहिए राखी ?

राखी को कितने समय तक कलाई पर रखना उचित है। क्या इसे तुरंत उतार देना चाहिए या इसके लिए कोई विशेष धार्मिक परंपरा है ?

जन्माष्टमी तक बांधने की प्रथा

कुछ मान्यताओं के अनुसार राखी को जन्माष्टमी तक कलाई पर बांधे रखना चाहिए।

16 दिनों का नियम

ज्योतिष के अनुसार राखी को 16 दिनों तक बांधे रखना अत्यंत फलदायी होता है। पूर्णिमा से अगले 15 दिन और 16वें दिन राखी को बहते जल में विसर्जित करने से भाई की आयु, सफलता और समृद्धि में वृद्धि होती है।

दशहरे तक पहनने की परंपरा

कुछ परंपरा यह भी है कि राखी को दशहरे तक बांधे रखा जाता है। दशहरा अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। माना जाता है कि इस दिन तक कलाई पर बंधी राखी भाई के लिए सुरक्षा कवच का काम करती है और उसे हर प्रकार के संकट से बचाती है।

पति की लंबी आयु के लिए कजरी तीज करें ये सरल उपाय, पूरी होगी हर इच्छा

पंचांग के मुताबिक हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को कजरी तीज का पर्व मनाया जाता है। इस साल 12 अगस्त 2025 को कजरी तीज है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र, तरक्की और सुखी प्रेम जीवन के लिए निर्जला उपवास रखती हैं। मान्यता है कि कजरी तीज पर भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करने से मनचाहा जीवनसाथी और रिश्तों में मिठास आती है। यही नहीं देवी पार्वती की कृपा भी सुहागिनों को प्राप्त होती है। यह पर्व मुख्य रूप से उत्तर भारत के राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में मनाया जाता है। यहां सभी महिलाएं एकजुट होकर झूले पर झूलती हैं और कजरी गीत गाकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करती हैं। हिंदू धर्म में इसे प्रेम, विश्वास सांस्कृतिक परंपराओं और एकता का प्रतीक माना गया है। इस दिन पार्वती चालीसा का पाठ करने पर वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं दूर और आपसी समझ बढ़ती है। ऐसे में आइए इस शक्तिशाली चालीसा के बारे में जानते हैं।

इस साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 11 अगस्त को सुबह 10 बजकर 33 मिनट पर शुरू होगी। इसका समापन अगले दिन यानी 12 अगस्त को सुबह 8 बजकर 40 मिनट पर है। ऐसे में 12 अगस्त 2025 को कजरी तीज का पर्व मनाया जाएगा।



कजरी तीज पूजा मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:23 बजे से 5:06 बजे तक रहेगा।
विजय मुहूर्त दोपहर 2:38 बजे से 3:31 बजे तक है।
गोधूलि मुहूर्त शाम 7:03 बजे से 7:25 बजे तक होता है।
निशिता काल मुहूर्त रात 12:05 बजे से 12:48 बजे तक रहेगा।

पार्वती चालीसा

दोहा

जय गिरी तनये दक्षजे शम्भू
प्रिये गुणखानि।
गणपति जननी पार्वती अम्बे!
शक्ति! भवामि।

चौपाई

ब्रह्मा भेद न तुम्हरो पावे, पंच
बदन नित तुमको ध्यावे।

षड्मुख कहि न सकत यश
तेरो, सहस्रबदन श्रम करत घनेरो।।
तेरु पार न पावत माता, स्थित
रक्षा लय हिय सजाता।
अधर प्रवाल सदृश अरुणारे,
अति कमनीय नयन कजरोरे।।
ललित ललाट विलेपित
केशर, कुंकुम अक्षत् शोभा मनहर।
कनक बसन कंचुकि सजाए,
कटी मेखला दिव्य लहराए।।
कंठ मंदार हार की शोभा,
जाहि देखि सहजहि मन लोभा।
बालारुण अनंत छवि धारी,
आभूषण की शोभा प्यारी।।
नाना रत्न जड़ित सिंहासन,
तापर राजति हरि चतुरानन।
इन्द्रादिक परिवार पूजित, जग
मृग नाग यक्ष रत्न कुजित।।
गिर कैलास निवासिनी जय
जय, कोटिक प्रभा विकासिनी जय
जय।

त्रिभुवन सकल कुटुंब तिहारी, अणु अणु
महं तुम्हारी उजियारी।।
हैं महेश प्राणेश तुम्हारे,
त्रिभुवन के जो नित रखवारे।
उनसो पति तुम प्राप्त कीन्ह
जब, सुकृत पुरातन उदित भए
तब।।
बूढ़ा बैल सवारी जिनकी,
महिमा का गावे कोउ तिनकी।
सदा श्मशान बिहारी शंकर,
आभूषण हैं भुजंग भयंकर।।
कण्ठ हलाहल को छवि छापी,
नीलकण्ठ की पदवी पायी।
देव मगन के हित अस किन्हो,
विष लै आपु तिर्नहि अमि दिन्हो।।
ताकी, तुम पत्नी छवि धारिणी,
दुरित विदारिणी मंगल कारिणी।
देखि परम सौंदर्य तिहारो,
त्रिभुवन चकित बनावन हारो।।
भय भीता सो माता गंगा,

लज्जा मय है सलिल तरंगा।
सौत समान शम्भू पहचायी,
विष्णु पदाब्ज छोड़ि सो धायी।।
तेहि को कमल बदन मुरझायो,
लखी सत्वर शिव शीश चढ़ायो।
नित्यानंद करी बरदायिनी,
अभय भक्त कर नित अनपायिनी।।
अखिल पाप त्रयताप
निकन्दिनी, माहेश्वरी, हिमालय
नन्दिनी।
काशी पुरी सदा मन भायी,
सिद्ध पीठ तेहि आपु बनायी।।
भगवती प्रतिदिन भिक्षा दात्री,
कृपा प्रमोद सनेह विधात्री।
रिपुक्षय कारिणी जय जय
अम्बे, वाचा सिद्ध करि
अवलम्बे।।
गौरी उमा शंकरी काली,
अन्नपूर्णा जग प्रतिपाली।
सब जन की ईश्वरी भगवती,

पतिप्राणा परमेश्वरी सती।। तुमने
कठिन तपस्या कीनी, नारद सों जब
शिक्षा लीनी। अन्न न नीर न वायु
अहारा, अस्थि मात्रातन भयउ
तुम्हारा।।
पत्र घास को खाद्य न भायउ,
उमा नाम तब तुमने पायउ।
तप बिलोकी ऋषि सात पधारे,
लगे डिगावन डिगी न हारे।।
तब तब जय जय जय
उच्चारउ, सप्तऋषि, निज गेह
सिद्धारेउ। सुर विधि विष्णु पास
तब आए, वर देने के वचन
सुनाए। मांगे उमा वर पति तुम
तिनसों, चाहत जग त्रिभुवन निधि
जिनसों। एवमस्तु कहौ ते दोऊ
गए, सुफल मनोरथ तुमने लए।।
करि विवाह शिव सों भामा, पुनः
कहाई हर की बामा। जो पहिदै जन
यह चालीसा, धन जन सुख देइदै
तेहि ईसा।।



कृष्ण जन्माष्टमी से पहले जरूर लाएं ये चीजें



जन्माष्टमी से पहले कुछ खास और पवित्र चीजों को घर लाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से न केवल भगवान कृष्ण की कृपा प्राप्त होती है, बल्कि घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास भी होता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर वर्ष देशभर में बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह दिन भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की स्मृति में विशेष रूप से मनाया जाता है, जब भक्तगण व्रत रखते हैं, झांकियां सजाते हैं, मंदिरों में भजन-कीर्तन होते हैं और रात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म की पूजा कर उनका स्वागत किया जाता है। हर कोना भक्ति और प्रेम के रंग में रंग जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जन्माष्टमी से पहले कुछ खास और पवित्र चीजों को घर लाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने

को एक सुंदर मूर्ति को जन्माष्टमी से पहले घर लाना बहुत शुभ माना जाता है। इसे घर के मंदिर में स्थापित कर अगर विधि-विधान से पूजा की जाए, तो घर में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

बांसुरी

कृष्ण भगवान की पहचान उनकी प्रिय बांसुरी से भी होती है। जन्माष्टमी से पहले एक सुंदर बांसुरी घर लाकर पूजा स्थान पर रखना अत्यंत शुभ माना गया है। इससे न केवल मन को शांति मिलती है बल्कि घर में भी सकारात्मकता और मधुरता बनी रहती है। चांदी या पीतल की



भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल

जीवन में आणगी सुख-संपन्नता ...

बांसुरी विशेष शुभ मानी जाती है।

मोर पंख

मोर पंख श्रीकृष्ण के मुकुट का हिस्सा होता है और उन्हें अत्यंत प्रिय है। इसे घर में लाकर पूजा स्थल या मुख्य द्वार पर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर का वास्तु दोष भी समाप्त होता है।

गाय और बछड़े की मूर्ति



कृष्ण जी का गहरा संबंध गावों से रहा है। जन्माष्टमी के अवसर पर गाय और बछड़े की मूर्ति लाना शुभ संकेत माना जाता है। इसे घर में रखने से समृद्धि आती है और संतान सुख की प्राप्ति का मार्ग खुलता है। धातु की मूर्ति को पूजा स्थान पर रखना श्रेष्ठ होता है।

माखन-मिश्री

माखन और मिश्री श्रीकृष्ण को अत्यंत प्रिय हैं। जन्माष्टमी से पहले इन्हें घर में लाकर भोग की तैयारी करनी चाहिए। यह प्रेम, मिठास और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। पूजा में इसका उपयोग करने से भगवान

का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

वैजयंती माला

वैजयंती माला भगवान कृष्ण के गले का एक अहम आभूषण मानी जाती है। इसे घर लाकर कान्हा जी को पहनाने से धन और समृद्धि की वृद्धि होती है। ऐसी मान्यता है कि इसे धारण करने या पूजा में उपयोग करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

पीले वस्त्र

भगवान श्रीकृष्ण को पीला रंग अत्यंत प्रिय है। जन्माष्टमी से पहले घर में पीले वस्त्र जैसे कि पर्दे, चादरें या पूजा की पोशाक लाना शुभ माना जाता है। इससे मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है और घर में आर्थिक समृद्धि आती है।

तुलसी का पौधा

तुलसी बिना श्रीकृष्ण की पूजा अधूरी मानी जाती है। इस पर्व से पहले तुलसी का नया पौधा लगाना या पुराने पौधे की सेवा करना पुण्यदायी होता है। तुलसी की पत्तियों के बिना श्रीकृष्ण को भोग भी नहीं लगाया जाता।

शंख

शंख की ध्वनि नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाली मानी जाती है। जन्माष्टमी से पहले घर में शंख लाकर पूजा स्थल पर स्थापित करें और नियमित रूप से उसका उपयोग करें। इससे घर का वातावरण पवित्र और ऊर्जावान बना रहता है।



70-साल के बुजुर्ग ने सीएमओ को उड़ाने की धमकी दी पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल कर बोला- बम धमाका करने वाला हूं

जयपुर, 12 अगस्त। जयपुर में सोमवार को सीएमओ को बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस कंट्रोल रूम पर धमकी मिलने की सूचना सीनियर अधिकारियों को दी गई। इसके बाद सभी एजेंसियों को मौके पर भेज कर सर्वच कराया गया है। कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। इससे पहले 26 जुलाई को भी सीएमओ को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जयपुर एयरपोर्ट पर ईमेल कर सीएमओ और एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई

जानवरों की तस्करी करने वाले 7-बदमाश अजमेर से पकड़े गए

अजमेर, 12 अगस्त। अजमेर की दरगाह थाना पुलिस ने तेलंगाना पुलिस की सूचना पर जानवरों की तस्करी करने वाले 7 युवकों को होटल से डिटेन किया है। आरोपियों के पकड़े जाने की सूचना पर तेलंगाना के आईपीएस के नेतृत्व में अन्य अधिकारी अजमेर पहुंच गए।

तेलंगाना पुलिस की ओर से सभी तस्करों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश कर ट्रॉजिट रिमांड मांगा। पुलिस ने इस

किसानों की आर्थिक मजबूती के लिए सख्त कानून की जरूरत

(नगर संवाददाता)
नागौर, 12 अगस्त।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुझुंरुं में आयोजित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्लेम भुगतान कार्यक्रम में बटन दबाकर किसानों के ख़ातों में बीमा राशि का डिजिटल भुगतान किया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के 27 लाख किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 1200 करोड़ रुपए की राशि का क्लेम डीबीटी के जरिए जारी किए गए। झुंझुनू कलक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने बताया कि सीएम शर्मा और केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने डीबीटी के माध्यम से यह राशि हस्तांतरित की। इस दौरान समारोह में केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथसिंह चौधरी, प्रदेश के कृषि मंत्री किरोडीलाल मीणा, जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत, किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी भी शामिल हुए। सीएम शर्मा व केंद्रीय मंत्री चौहान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में रबी सीजन 2024-25 व खरीफ सीजन 2024 की बीमा दावा राशि की पहली किश्त डीबीटी से किसानों के खातों में हस्तांतरित की तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी चेक वितरित किए। अपने संबोधन में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि केद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से बात कर किसानों की आर्थिक मजबूती को सुदृढ़ बनाने के लिए सख्त कानून लाने के प्रयास किए जाएंगे।

अजमेर का भाजपा नेता ही निकला पत्नी का हत्यारा

लहलुहान शव गोद में लेकर हॉस्पिटल पहुंचा, बार-बार बदलते बयानों से पुलिस को शक हुआ

किशनगढ़ , 12 अगस्त। लूट और मारपीट की कहानी बनाकर पुलिस को बरगलाने वाला भाजपा नेता ही पत्नी का हत्यारा निकला। पुलिसस का दावा है कि भाजपा नेता ने पत्नी की हत्या की। उसके बाद उसे गोद में लेकर हॉस्पिटल पहुंचा। काफी देर तक पुलिस को गुमराह करता रहा। बार-बार बयान बदलता रहा। पुलिस को शक हुआ। उसे डिटेन करके सख्ती की गई तो सारे राज उगल दिए। यह पूरा मामला किशनगढ़ (अजमेर) का है। एसपी दीपक कुमार ने बताया- किशनगढ़ के उदयपुर कलां की रहने वाली रोहित सैनी (35) अपनी पत्नी संजू सैनी (32) के साथ रक्षाबंधन पर रलावता गांव (ससुगल) गया था। रविवार दोपहर करीब 2 बजे ससुगल से लौटते समय किशनगढ़ के हाथी खान से सिलोरा की ओर जाने वाले मार्ग पर संजू की हत्या कर दी। चाकू से उसका गला रेटा गया था। शुरुआती कहानी

थी। लेकिन जांच के दौरान कुछ नहीं मिला था। डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया- दोपहर करीब 12-30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम पर फोन आया। फोन करने वाले ने कहा- वह सीएमओ को बम से उड़ाने वाला है। इस पर कंट्रोल रूम ने जानकारी सभी अधिकारियों के साथ साझा की। टीमों को एक्टिव कर सीएमओ में सर्वच कराया गया। इसी दौरान हमारी दूसरी साइबर टीम ने नंबर के आधार पर लोकेशन ट्रैस की। आरोपी को झुंझुनूं पुलिस ने

मामले में फिलहाल कोई खुलासा नहीं किया है। जानकारी के अनुसार तेलंगाना के जिला निर्मल के सुधोल सर्कल में जानवरों की तस्करी से जुड़ा हुआ मामला वर्ष 2025 में दर्ज हुआ था।

इसे लेकर तेलंगाना पुलिस आरोपियों की तलाश को लेकर अलग-अलग जगह पर दबिश दे रही थी। सभी मुंबई से होते हुए अजमेर पहुंच गए थे।

तेलंगाना पुलिस को लोकेशन अजमेर में मिलने पर अजमेर पुलिस को इसकी सूचना दी गई। दरगाह थाना पुलिस को सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर एक टीम गठित की गई।

टीम की ओर से दरगाह क्षेत्र के होटल में दबिश दी गई। सभी तस्करों को डिटेन किया। तस्करों के पकड़े जाने की सूचना मिलने के बाद तेलंगाना के आईपीएस राजेश मीणा अन्य पुलिस

फतेहपुर में लाइनमैन की मौत 5 दिन बाद इलाज दौरान तोड़ा दम, परिवार का इकलौता सहारा था

फतेहपुर, 12 अगस्त। फतेहपुर में 6 अगस्त को बिजली विभाग के लाइनमैन कृष्ण कुमार की जयपुर में इलाज के दौरान सोमवार सुबह मौत हो गई। कृष्ण कुमार (28) ग्राम बिरानिया में 11000 केवी लाइन का फॉल्ट ठीक करते समय करंट की चपेट में आ गए थे। घटना के बाद उन्हें जयपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां पांच दिनों तक उनका इलाज चला। कृष्ण कुमार छोटा फतेहपुर के निवासी थे और हनुमान प्रसाद के पुत्र थे। घटना के बाद ग्रामीणों और कृष्ण कुमार के परिवारजनों ने विद्युत विभाग कार्यालय के सामने दो दिन तक धरना प्रदर्शन किया था।

इस दौरान प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच कई बार तकरार भी हुई। कृष्ण कुमार अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। उनके पिता मजदूरी करते हैं और मां गृहिणी हैं। उनकी दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। कृष्ण कुमार की शादी हो चुकी थी और उनका एक दो साल का बेटा भी है। उनके परिवार पर अब आर्थिक संकट गहरा गया है।

गिरफ्तार किया है। आरोपी नशे का आदी है। आरोपी को जयपुर लेकर आ रहे हैं। यहां उससे पूछताछ की जाएगी। 16 जून 2025 को जयपुर के जलेब चौक स्थित दी पैलेस स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। स्कूल की आईडी पर ईमेल आया था, लेकिन स्कूल बंद होने के कारण किसी ने ध्यान नहीं दिया। अगले दिन स्कूल प्रशासन ने ईमेल देखा और पुलिस को सूचना दी थी। 30 मई को मानसरोवर मेट्रो स्टेशन और 2 कोर्ट में

कर्मियों के साथ अजमेर पहुंच गए। जिसमें दो इस्पेक्टर, 2 सब इस्पेक्टर सहित करीब आठ पुलिसकर्मी भी अजमेर पहुंचे। जहां सभी तस्करों को उनके हवाले किया गया। तेलंगाना पुलिस सभी तस्करों से पूछताछ कर रही है।

पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश कर ट्रॉजिट रिमांड पर लेकर सभी को तेलंगाना लेकर गए। बताया जा रहा है कि सभी तस्करों के खिलाफ 7 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। यह जानवरों को चोरी कर उनकी तस्करी करते और बाद में बड़े दामों में बेचा करते थे।

जानकारी के अनुसार 7 अगस्त को ही सभी तस्कर अजमेर पहुंच गए थे। अजमेर के होटल में रूम लेने के बाद सभी कई जगहों पर घूमने भी निकले थे। अब मामले में पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

बिजली विभाग की प्राइवेट कंपनी एफ पार्टी में कार्यरत एक युवक को बुधवार शाम को लाइन का फाल्ट सही करते समय करंट लगने से गंभीर घायल हो गया। परिवार वालों ने जानकारी देते हुए बताया कि कस्बे के कारंगा छोटा गांव के रहने वाले कृष्ण कुमार (28) पुत्र हनुमान प्रसाद विद्युत विभाग में काम करने वाली एफ पार्टी के लिए लाइनमैन के रूप में कार्यकर्ता था। बुधवार को फोन पर जानकारी मिली कि बिरानिया गांव में 11000 लाइन पर दो फाल्ट हैं, जिसे सही करने हैं। कृष्ण कुमार खंबे पर चढ़ रहे थे, तभी एक फाल्ट तो सही कर दिया लेकिन दूसरा फाल्ट तो सही करते समय लाइन चालू हो गई। जिसके कारण कृष्ण कुमार को करंट लगा और वह खंबे से नीचे आ गिरा। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने कृष्ण कुमार को कस्बे के राजकीय धानुका उप जिला अस्पताल के ट्रमा सेंटर लेकर पहुंचे। जहां गंभीर हालत में कृष्ण कुमार को जिला अस्पताल सीकर रेफर कर दिया। जहां से गंभीर हालत होने पर एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर कर दिया था।

बम ब्लास्ट की धमकी मिली थी। इनमें एक जयपुर मेट्रो कोर्ट और एक फैमिली कोर्ट को धमकी का ईमेल किया गया था। फैमिली कोर्ट में करीब चार घंटे सर्वच किया था। जयपुर मेट्रो कोर्ट में करीब एक घंटे तक सर्वच करने के बाद परिसर को सेफ बताया जा। 13 मई, 12 मई और 8 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसमें 13 मई को मिले ईमेल में बम से उड़ाने की धमकी के साथ ही रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की गई थी। 9 मई को जयपुर मेट्रो को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जयपुर मेट्रो को आईडी पर ईमेल मिला था। इसमें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जयपुर मेट्रो स्टेशन और ट्रेन दोनों को उड़ाने की धमकी दी गई थी, लेकिन जांच में कुछ नहीं मिला था।

सीकर के सरकारी स्कूल में बदमाशों ने की तोड़फोड़

सीकर, 12 अगस्त। बावड़ी में नेशनल हाईवे-52 पर स्थित शहीद दीपचंद वर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में रविवार रात असामाजिक तत्वों ने जमकर तोड़फोड़ की। स्कूल परिसर में रखे गमलों को तोड़ने के साथ ही बरामदे और प्रेयर एरिया में लगे पौधों को पैरों तले कुचल दिया गया। इस घटना से स्कूल प्रशासन और स्थानीय लोगों में आक्रोश है। स्कूल की प्रिंसिपल सुशील कुमारी ने बताया कि शनिवार को रक्षाबंधन और रविवार को स्कूल की छुट्टी थी। सोमवार सुबह जब परिसर का निरीक्षण किया गया, तो गमले टूटे हुए और पौधे बिखरे पड़े मिल। रविवार शाम 7 बजे तक हॉकी खेलने आए बच्चों ने कोई नुकसान नहीं देखा था, लेकिन रात में कुछ लोगों ने स्कूल में घुसकर यह हरकत की। स्कूल परिसर में लगे गमलों को बाहर लाकर तोड़ा गया और पौधों को उखाड़कर रौंदा गया। घटना की जानकारी मिलते ही रींगस थानाधिकारी सुरेश कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने ग्राउंड पर खेलने वाले छात्रों और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। स्कूल प्रशासन ने सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है, ताकि दोषियों की पहचान हो सके। प्रिंसिपल ने कहा कि फुटेज से सबूत मिलने पर दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्मार्ट-सिटी में भ्रष्टाचार के विरोध में यूथ कांग्रेस का हंगामा बैरिकेड्स पर चढ़कर जताया विरोध, कलेक्ट्रेट के बाहर दिया धरना, पुलिस ने हिरासत में लिया

अजमेर, 12 अगस्त। स्मार्ट सिटी कार्यों में हुए भ्रष्टाचार को लेकर यूथ कांग्रेस की ओर से रैली निकाल कर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट के बाहर धरना देकर जिला कलेक्टर को बाहर बुलाने और लिखित में मांगो का आश्वासन देने की मांग पर अड़े रहे। बाद में पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया।

पुलिस की ओर से कलेक्ट्रेट के बाहर बैरिकेद्स लगाकर सभी कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पहले से ही व्यवस्था की गई थी। यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन में किशनगढ़ से कांग्रेस विधायक विकास चौधरी सहित अन्य नेता भी शामिल हुए। सोमवार 12 बजे के करीब डाक बंगले से यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा के नेतृत्व में कार्यकर्ता ढोल बजे के साथ रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट पर पहुंचे और घेराव किया। इस दौरान बैरिकेद्स पर चढ़कर कार्यकर्ताओं ने विरोध किया और कलेक्ट्रेट के बाहर एक तरफ रास्ते को जाम कर दिया। कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट के बाहर अभी धरना देकर बैठ गए।

2३0 के करीब सभी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी ने कहा कि यूथ कांग्रेस की ओर से यह प्रदर्शन पीडब्ल्यू, निगम और जिला प्रशासन के खिलाफ किया गया है। स्मार्ट सिटी के नाम पर लूट मचा रखी है।

20 साल के बाद भी अजमेर को अभिज्ञा रखा गया है। आनासागर

बस्सी में फ़ोजन सीमन बैंक में मॉर्डन लैब बनाई

बछड़ियों के जन्म की दर 90 फीसदी बढ़ सकेगी, अब पहला कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट भी शुरू करेगा आरसीडीएफ

जयपुर, 12 अगस्त। प्रदेश में अब सेक्स सोर्टेड सीमन बैंक के जरिए बछड़ियों के जन्म की संभावना 90 फीसदी तक बढ़ाई जा सकेगी। यही नहीं, इसके जरिए अच्छी नस्ल की गाय तैयार होंगी और दूध की मात्रा भी बढ़ेगी। प्रदेश में पहली बार इसकी शुरुआत बस्सी में सोमवार को होगी। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन (आरसीडीएफ) ने इसके लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) से इस संबंध में एमओयू किया था। इसके लिए बजट में घोषणा की गई थी। बजट घोषणा के महज 5 से 6 माह में ही इसका प्लांट तैयार कर शुरुआत की जा रही है। आमतौर पर नर पशुओं की संख्या को इससे नियंत्रित किया जा सकेगा। नंदी घर की कमी से सड़कों पर घूमते पशुओं की संख्या पर भी धीरे-धीरे लगाम लगेगी। बस्सी के फ़ोजन

शहर में 3 अलग-अलग हादसों में 3 की मौत

जोधपुर, 12 अगस्त। जोधपुर में सोमवार को तीन अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन और समाज के लोग हॉस्पिटल की मोचरी में इकट्ठा हो गए। पहला हादसा गोयल हॉस्पिटल के पास निर्माणाधीन बिल्डिंग में हुआ। यहां चाचा-भतीजा बिल्डिंग में काम कर रहे थे। अचानक भतीजा मोहम्मद खालिक (35) गिर गया। जिससे देखकर उसका चाचा भी बेहोश हो गया। दोनों को हॉस्पिटल लाया गया। जहां भतीजे की मौत हो गई। चाचा मोहम्मद इकबाल का इलाज किया जा रहा है। दूसरा हादसा सर्किट हाउस रोड पर हुआ। यहां प्लास्टर कर रहे कारीगर गणपत लाल (52) अचानक गिर पड़ा। इससे तो घायल हो गया। उसे अस्पताल लाया गया तब तक उसकी मौत हो गई। तीसरा हादसा दल्ले खान की चक्की के पास हुआ। बस से उतरने के दौरान एक व्यक्ति गश खाकर गिर गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंदाजा लगाया जा रहा है कि संभवतः उसे कार्डियक अरेस्ट आया था। मृतक की पहचान मोहम्मद शफी खान (62) के तौर पर हुई।

कि स्मार्ट सिटी के तहत करोड़ों रुपए खर्च किए गए। उन करोड़ों रुपए की پول जनता के सामने खुल चुकी है। यूथ कांग्रेस इन सभी कार्यों में हुए भ्रष्टाचार को लेकर आज विरोध किया है। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने गूंगी सरकार और प्रशासन को जगाने के लिए ढोल नगाड़ों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा ने बताया की सफाई तक नहीं हो रही है। सड़कों की हालत खराब हो रखी है। अजमेर में हुए भ्रष्टाचार को लेकर जिला कलेक्टर के जरिए सरकार तक पहुंचाया जाएगा। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने गूंगी सरकार और प्रशासन को जगाने के लिए ढोल नगाड़ों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन किया।

जोधपुर में 55 लाख के गहने-कैश चुरा ले गया नौकर

जोधपुर, 12 अगस्त। जोधपुर तो घर खुला हुआ था। घर की पहली मंजिल के कमरे में रखे गहने और कीमती घड़ियां गायब मिली। नौकर करीब 15 लाख रुपए कैश भी चुरा ले गया। घर की पहली मंजिल पर बने कमरे में रखे थे गहने और कैश। थाना अधिकारी जुल्फिकार ने बताया- रात को सूचना मिलते ही शास्त्री नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। सोमवार सुबह एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए। आसपास के घरों में रहने वाले नौकरों से भी पूछताछ की जा रही है।

जयपुर में युवक पर फायरिंग

जयपुर, 12 अगस्त। जयपुर में देर रात एक युवक पर फायरिंग का मामला सामने आया है। घायल युवक हर्षवर्धन का एसएमएस हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। हर्षवर्धन की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मानसरोवर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

जल्द प्लांट तैयार कर इसकी शुरुआत की गई है, जिसमें एनडीडीबी की ओर से अमेरिका से लाई गई दो मशीनें लगाई गई हैं। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत सोमवार को लैब का उद्घाटन करेंगे। वर्तमान में यहां 123 सांडों से कन्वेंशनल सीमन डोज तैयार होते हैं। अब इसमें नई तकनीक की मशीनें लाकर सेक्स सोर्टेड सीमन डोज तैयार होंगे। इस तरह का इस तरह का प्लांट गुजरात के आणंद में है। प्रदेश का यह पहला है। आरसीडीएफ एमडी श्रुति भारद्वाज ने बताया कि बजट घोषणा के बाद

राजस्थान में फर्जी डॉक्यूमेंट से 72 लोग बने सरकारी टीचर शिक्षा विभाग की जांच में खुलासा, एसओजी ने दर्ज की एफआईआर

जयपुर, 12 अगस्त। राजस्थान में फर्जी डॉक्यूमेंट से 72 लोग सरकारी टीचर बन गए। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने इन 72 शिक्षकों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक धड़्यंत्र का मामला दर्ज किया है। जांच में डमी कैंडिडेट बैठाने के साथ-साथ फोटो, हस्ताक्षर और प्रमाण पत्रों में गड़बड़ी पाई गई है। राज्य सरकार ने पिछले साल सभी विभागों को निर्देश दिया था कि वे साल 2019 से 2024 के बीच नियुक्त हुए

कर्मचारियों की शैक्षणिक योग्यता, आवेदन पत्र, फोटो और हस्ताक्षरों का मिलान करते हुए वेरिफिकेशन करें। इसके बाद प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर ने संभाग स्तर पर 4 सदस्यीय जांच समितियां गठित कीं।

इन समितियों ने बीकानेर, चूरू, जयपुर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर और पाली संभाग से

केशवदास बगीची में सुनाया गणेश जन्म उत्सव का प्रसंग

(नगर संवाददाता)
नागौर, 12 अगस्त। शहर के रामद्वारा केशवदास महाराज बगीची में चातुर्मास के पावन पर्व पर महंत जानकीदास महाराज ने महाशिव पुराण के अंतर्गत भगवान गणेश के जन्म उत्पत्ति व माता पार्वती के द्वारा द्वारपाल नियुक्त किए जाने की कथा का वर्णन किया। जब भगवान गणेश अपने माता की आज्ञा के अनुसार द्वार पर खड़े रहकर राक्षा के अनुसारी द्वार पर खड़े रहकर राक्षा करने लगे उस समय भगवान शिव का पदार्पण हो जाता है। परंतु गणेश अपनी माता की आज्ञा के अनुसार भगवान शिव को घर में प्रवेश करने के लिए मना करते हैं। भगवान शिव ने त्रिशूल के द्वारा गणेश का सिर छेदन कर देते हैं, परंतु बाद में देवताओं के अनुरोध पर भगवान शिव ने गणेश के सिर की जगह एक दांत वाले हाथी का सिर लगाकर उनका अपने गणों का सर्वाध्यक्ष घोषित किया और सबसे प्रथम पूजनীয় घोषित किया। ब्रह्मा विष्णु सब देवताओं ने मिलकर गणेश को प्रथम पूज्य माना गया और यह नियम भी बना दिया कि किसी भी देवता की पूजा करने से पहले गणेश की पूजा करना अनिवार्य है। यदि गणेश की पूजा किए बिना अन्य देवताओं की पूजा की जाएगी तो उस पूजा का कोई भी फल पूजा करने वाले को प्राप्त नहीं होगा। संत ने बताया कि स्वामी कार्तिकेय व गणेश ने प्रथम विवाह करने की हठ पकड़ ली तब माता पार्वती व शिव ने कहा कि तुम दोनों में से जो पृथ्वी की प्रथम परिक्रमा करके हमारे पास में आएगा उसका विवाह किया जाएगा। स्वामी कार्तिकेय मयूर पर सवार

रक्षाबंधन पर्व पर लगाए 501 पौधे

(नगर संवाददाता)
नागौर, 12 अगस्त। गांव इंदास के भोमिया थान गोदाराों की ढाणियों में रक्षाबंधन प्रकृति वंदन उत्सव मनाया। महंत जानकीदास महाराज के सान्निध्य में मन्त्रोच्चार के साथ पौधों का पूजन आरती कर प्रकृति वंदन उत्सव मनाया गया।

इस अधियान में सघन वन बनाने की दिशा में सार्थक पहल की गई। इसमें पीपल, गूलर, नीम, गुन्दा, शोशम, अमरुद, करंज, अनार, आवला, जामुन, गुडहल, टीकोमा, अर्जुन व कदम्ब आदि विभिन्न प्रजाति के 501 पौधों का रोपण किया व पेड़ बनने तक सेवा का संकल्प

के लिहाज से भी नुकसान दायक हैं। ऐसे में आरसीडीएफ उस गोबर को कलेक्ट करेगा। इसके बदले पशुपालकों को पैसा दिया जाएगा। दो- इस गोबर को बायोगैस प्लांट में प्रोसेस किया जाएगा, जिससे गैस बनेगी। इससे बची स्लरी से बायो फर्टीलाइजर बनाया जाएगा, जिसे पशुपालकों को दिया जाएगा। जो अपनी खेती में उपयो कर सकेंगे। तीन- इसके साथ ही बायोगैस पंप लगाएंगे। यानी यह पंपूल सर्कुलेटर की कॉम्बिनेशन का बेहतर कॉन्सेप्ट है। इस प्रकार का प्लांट गुजरात के बनासकांठ में लगा हुआ है।